हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 5 दिसंबर 2024 | अंक 53 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

CMYK

मुफ्त बिजली योजना से एक करोड़ घर होंगे रोशन

> वित्त वर्ष 27 तक 75,021 करोड़ खर्च किए जाएंगे

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना के जरिए सरकार कार्बन रहित बिजली से घरों को रोशन करना चाहती है, इसके लिए सरकार ने 2027 तक 1 करोड़ घरों में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त योजना का लाभ पहुंचाने की योजना बनाई है. 3 दिसंबर को संसद में जानकारी देते हुए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा और बिजली राज्य मंत्री श्रीपद नाइक ने बताया कि सरकार के पास कुल 1.45 पंजीकरण हो चुके हैं, जिसमें से 6.34 लाख घरों में इंस्टॉलेशन पूरा किया जा चुका है.

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में वित्त वर्ष 27 तक 75,021 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे 1 करोड़ रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन किए जाएंगे. केंद्रीय मंत्री श्रीपद नाइक ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि राष्ट्रीय पोर्टल पर कुल 1.45 करोड़ पंजीकरण, 26.38 लाख आवेदन और 6.34 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की सूचना दी गई है. वहीं उन्होंने बताया कि 3.66 लाख आवेदकों को सब्सिडी जारी की गई है और यह 15-21 दिनों के भीतर नियमित रूप से जारी की जा रही है.

सरकार के पास कुल 1.45 पंजीकरण हो चुके

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, गुजरात में इस योजना के तहत सबसे अधिक 2,86,545 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं, जिसके बाद महाराष्ट्र में 1,26,344 और उत्तर प्रदेश में 53,423 सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए हैं. नाइक ने कहा कि मंत्रालय इस योजना के सफल क्रियान्वयन में आने वाली किसी भी चुनौती का समाधान करने के लिए आरईसी, डिस्कॉम और विक्रेताओं जैसे सभी हितधारकों के साथ समन्वय कर रहा है.

वी उपभोक्ताओं की सुरक्षा के नए कदम

मुंबई. जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज अपने उपभोक्ताओं को स्पैम से सुरक्षित रखने की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा की है। आज से कंपनी एआई और एमएल द्वारा पावर्ड स्पैम मैनेजमेन्ट समाधान ला रही है। यह नया समाधान मशीन आधारित ऑटोमेटेड समाधान के माध्यम से संभावी स्पैम मैसेजेज़ को पहचान लेता है, जिससे वी के यूज़र मोबाइल का सुरक्षित एवं सहज अनुभव पा सकते हैं। शुरूआती टेस्टिंग अवस्था के बाद से यह समाधान 24 मिलियन से अधिक स्पैम मैसेजेज़ को पहचान चुका है।स्पैम मैसेजेज़ की संख्या लगातार बढ़ रही है, अक्सर इनके ज़रिए उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी भी होती है। वी के स्पैम एसएमएस समाधान रियल टाईम में इस तरह के हानिकारक मैसेजेज़ को पहचान कर इनका प्रबन्धन करते हैं और उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करते हैं।इस अवसर पर जगबीर सिंह, सीटीओ, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा, ''आज के दौर में अधिक से अधिक उपभोक्ता डिजिटल कम्युनिकेशन को अपना रहे हैं।

एजेंट्स की उत्पादकता में 37 फीसदी की वृद्धि हुई

नई दिल्ली.

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के सलाहकारों के लिए विशेष रूप से पेश किए गए मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में उनकी उत्पादकता में 37% की वृद्धि की है, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि, आईप्रू एज ऐप का उपयोग करने वाले 98.1% एजेंट्स को उसी दिन उनका कमिशन प्राप्त हुआ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ऐसी पहली जीवन बीमा कंपनी है, जो चुनिंदा वितरकों को उसी दिन कमीशन का भुगतान करती है। कंपनी के पास 2 लाख से अधिक सलाहकारों का नेटवर्क है और कंपनी के लगभग 61% से अधिक टॉप सलाहकार अब इस ऐप का सक्रिय रूप से उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिल रही है।

यह मोबाइल ऐप एजेंट्स के लिए एक चलते-फिरते ऑफिस की तरह काम करता है, जिससे वे प्रशासनिक कार्यों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। आईप्रू एज ऐप में रियल-टाइम केवाईसी प्रमाणीकरण और ओसीआर टेक्नोलॉजी जैसी सुविधाएं हैं,

जो ग्राहकों को पेपरलेस खरीदारी का अनुभव देती हैं। यह ऐप छोटे शहरों और गांवों में रहने वाले एजेंट्स के लिए बहुत उपयोगी है। शोबी सैम, चीफ ऑफ सेल्स, प्रोप्राइटरी चैनल, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने कहाः "हमारे मोबाइल ऐप आईप्रू एज ने हमारे एजेंट्स को अपना व्यवसाय बढ़ाने में सक्षम बनाया है। यह वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में उनकी उत्पादकता में 37% की वृद्धि के माध्यम से स्पष्ट है। इसके अलावा, ऐप का उपयोग करने वाले 98.1% सलाहकारों को उसी दिन कमिशन भुगतान किया गया। इन पहलों ने हमें देश में सबसे अधिक सलाहकार-अनुकूल जीवन बीमा कंपनी बनने में मदद की है।

हमने ऐसे तकनीकी समाधान लागू किए हैं, जिससे हम वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में बचत व्यवसाय क्षेत्र के लिए लगभग 50 फीसदी पॉलिसियां उसी दिन जारी करने में सक्षम हुए हैं। आईप्रू एज ऐप सलाहकारों को प्रशासनिक कार्यों के बजाय नए व्यवसाय के विकास पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है। ऐप का उपयोग करके सलाहकार आसानी से नया व्यवसाय लॉगिन कर सकते हैं। हम अपने सलाहकारों को नए व्यवसाय के अवसर, डिमांड जनरेशन भी प्रदान करते हैं।

सैमको म्यूचुअल फंड ने अभिनव मल्टी एसेट एलोकेशन फंड किया लॉन्च

मुंबई.

सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने आज मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (एमएएएफ) के नए फंड ऑफर (एनएफओ) की घोषणा की, जो 4 दिसंबर, 2024 को खुलेगा और 18 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। यह फंड इक्विटी, गोल्ड और डेट/आर्बिट्रेज के बीच आवंटित होगा, ताकि रिटर्न को अनुकूलित किया जा सके और जोखिम को कम किया जा सके। इस योजना की न्यूनतम आवेदन राशि ₹5,000 है। यह फंड स्ट्रेटजी द्वारा संचालित होगा। इस रणनीति के अनुसार, जब शेयर बाजार में तेजी होती है तो फंड मुख्य रूप से इक्विटी मोड में घूमने की क्षमता रखता है, जब शेयर बाजार में गिरावट आती है लेकिन सोना बेहतर प्रदर्शन कर रहा होता है तो गोल्ड मोड में और जब शेयर और सोना दोनों गिर रहे होते हैं तो डेट/आर्बिट्रेज मोड में घूमने की क्षमता रखता है। इस प्रकार स्थिर रिटर्न देने और निवेशक की संपत्ति की रक्षा करने का प्रयास करता है।

एसेट आवंटन में लचीलापन देते हुए, यह फंड विभिन्न श्रेणियों में निवेश

यह कमोडिटी डेरिवेटिव्स में 30 फीसदी तक और और 10 फीसदी तक निवेश कर सकता है। जबकि पारंपरिक निवेश फंड अक्सर सोने और अन्य कमोडिटीज उद्योग के स्थिर जोखिम को बनाए रखते हैं, जो आमतौर पर 10 फीसदी से 20 फीसदी तक होता है। सैमको का मल्टी एसेट एलोकेशन फंड मजबूत अपट्रेंड अवधि के दौरान सोने में 70 फीसदी तक का महत्वपूर्ण आवंटन करने की अनुमति देता है।इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विराज गांधी ने कहा, "सैमको में, हम गतिशील निवेश शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारा फंड पारंपरिक स्थिर आवंटन रणनीतियों के विपरीत, रीयल टाइम बाजार स्थिति के अनुकूल डिज़ाइन किए गए अद्वितीय मॉडल पर आधारित है। बाजार रुझान और अस्थिरता के आधार पर परिसंपत्ति वर्गों में पुनर्वितरण करके, हमारा लक्ष्य लगातार प्रदर्शन प्रदान करना है।

शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों पर ध्यान देना आवश्यक

नई दिल्ली

ठंड का मौसम आ चुका है, ठंडे मौसम में फटे होंठ और दरारे पड़े पैर आना एक आम बात है। यह एक शानदार मौसम है, जब आप अपनी रज़ाई में अतिरिक्त एक घंटा आराम से बिताते हैं। इस मौसम में लोग आमतौर पर घर के अंदर ही रहना पसंद करते हैं, क्योंकि इन महीनों में फ्लू जैसे लक्षण और भयंकर सर्दी होती है। सर्दियाँ गर्म भोजन खाने, पीने और गर्म कपड़े पहनने का समय होता हैं। इस मौसम में शरीर का मेटाबोलिज़्म और ऊर्जा स्तर बदलता है। हमारी खाने की पसंद बदल जाती हैं। इस समय ठंड से बचने और आराम महसूस करने के लिए हमें अक्सर ज्यादा खाने का मन करता है। हालांकि, इस मौसम में शरीर को किसी भी तरह की बीमारी से लड़ने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा की आवश्यकता होती है, लेकिन मौसम को अनहेल्दी खाने का कारण नहीं बनना चाहिए। अब हमें अपने शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों पर ध्यान देना चाहिए। हम अब यह जानते हैं कि एक मजबूत इम्यून सिस्टम का महत्व कितना है। सर्दियों में लोग आसानी से सर्दी-जुकाम का शिकार हो जाते हैं,

बाजरा – गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के पारंपरिक आहार का हिस्सा बाजरा एक मिलेट है जिसमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, यह मैग्नीशियम से भरपूर होता है, जो आपके हृदय और कोलेस्ट्रॉल के स्तर के लिए अच्छा है, यह आपकी

मांसपेशियों के स्वास्थ्य और त्वचा के लिए भी लाभकारी है। यह ग्लूटेन-फ्री है और इसमें आयरन, पोटेशियम, मैग्नीशियम, जिंक और कॉपर जैसे खनिज पाए जाते हैं। कढ़ी के साथ बाजरा खिचड़ा, बाजरा रोटला और बाजरा कांद रोटियाँ सर्दियों के कुछ पसंदीदा व्यंजन हैं।

शकरकंद – स्वादिष्ट होने के साथ-साथ शकरकंद में अन्य आलू के मुकाबले दोगना फाइबर होता है। यह विटामिन ए, पोटेशियम, विटामिन सी और विटामिन बी6 जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर होते है। यह इम्यूनिटी को बढ़ाने, कब्ज को ठीक करने और सूजन को कम करने में मदद करता है। आप इसे भूनकर, बेक करके या जिस तरह से चाहें खा सकते हैं, यह सर्दियों में आपको गर्म रखेगा।

खजूर – आपको अपने बचपन के दिनों का यह सुपर फूड जरूर याद होगा। यदि नहीं, तो आप एक बहुत बड़ा विशेषाधिकार पाने से चूक गए हैं। मुझे अभी भी याद है कि मेरी माँ खजूर को काटकर उसमें घी भरकर देती थी। नियमित रूप से खजूर का सेवन आपके शरीर को सर्दियों में गर्म रखने में मदद करता है। खजूर आयरन, प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य बहुत सारे विटामिन से भरपूर होते हैं, जो अच्छे स्वास्थ्य और इम्यूनिटी को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। खजूर को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

ब्रोकली और फूलगोभी – ये क्रूसीफेरस सब्जियाँ सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए ज़रूरी होती हैं, क्योंकि इनमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में होती है, जो इम्यूनिटी को बढ़ाती है। ये सर्दी से लड़ने और इस मौसम में सक्रिय रहने में मदद करती हैं। गोभी के पराठे, ब्रोकली का सूप इन्हें अपने आहार में शामिल करने के कुछ बेहतरीन तरीके हैं।हमारे पुराने जमाने के दादी-नानी के नुस्खे भी सर्दियों में मौसम से लड़ने के लिए मददगार होते हैं। अदरक, हल्दी, शहद और तुलसी जैसी सूजन-रोधी सामग्री से बना एक कप गरम काढ़ा न केवल आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ाता है, बल्कि इम्यूनिटी को भी मजबूत करता है। एक कप गर्म तुलसी की चाय भी सर्दियों में बहुत आरामदायक होती है। हर्बल और नींबू के स्वाद के मिश्रण से बनी तुलसी की चाय सुपरहिट होता है। सर्दियों में सूप और काढ़े जैसे गर्म पेय सबसे ज़्यादा पसंद किए जाते हैं। गौंद और तिल और गुड़ जैसी गर्मी देने वाले खाद्य पदार्थों को इस मौसम में खाया जाता है। गौंद के लड्डू, तिल की चिक्की सर्दियों के प्रसिद्ध खाद्य पदार्थ हैं। स्वस्थ रहने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है, जिसमें अच्छा आहार और व्यायाम शामिल होना चाहिए।

अब एक बैंक अकाउंट में 4 नॉमिनी जोड़ सकेंगे

नई दिल्ली.

लोकसभा में 3 दिसंबर को बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक पारित हो गया है. इस विधेयक में एक बैंक अकाउंट में 4 नॉमिनी जोड़ने का प्रावधान रखा गया है. इसके साथ ही नए बैंकिंग कानून विधेयक में जमाकर्ताओं को बेहतर सुरक्षा और प्राइवेट बैंक में बेहतर सर्विस देने के प्रावधान हैं. ये विधेयक बिना दावे वाले शेयर, बांड, डिविडेंड के ब्याज या रिडेम्पशन आय को एजुकेशन और संरक्षण कोष में ट्रांसफर करने की सुविधा प्रदान करेगा. इससे निवेशकों के हित सुरक्षित होंगे और ट्रांसफर और रिफंड क्लेम करने की सुविधा मिलेगी. विधेयक में अन्य महत्वपूर्ण सुधारों में बैंक निदेशकों के लिए "पर्याप्त हित" को फिर से परिभाषित करना भी शामिल है. बिल में इस सीमा को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपए करने का प्रावधान है, यह आंकड़ा लगभग छह दशकों से अपरिवर्तित है.

बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक में ये प्रमुख बदलाव कोविड 19 महामारी में हुई परेशानी के बाद किए गए हैं. अब एक नॉमिनी की जगह 4 नॉमिनी बनाने की अनुमति मिलेगी. इसका मकसद खाताधारक की मृत्यु के बाद पैसे की निकासी को आसान बनाना है.विधेयक जमाकर्ताओं को या तो एक साथ नामांकन का विकल्प चुनने की अनुमति देता है, जहां नॉमिनी को एक तय प्रतिशत शेयर सौंपे जाते हैं, या क्रमानुसार नॉमिनी, जिसमें नॉमिनी की उम्र के हिसाब से बैंक में जमा रकम दी जाती है. इस बदलाव से परिवारों के लिए रकम की पहुंच आसान होने के साथ-साथ बैंक प्रक्रिया में देरी भी कम होने की उम्मीद है. विधेयक पारित होने के बाद बैंक अपनी रिपोर्ट रिजर्व बैंक को हर शुक्रवार की जगह हर पखवाड़े के अंतिम दिन सौंपेंगे. इसके साथ ही गैर अधिसूचित बैंकों को शेष नकदी भंडार को व्यवस्थित रखना होगा. विधेयक में केंद्रीय सहकारी बैंक के निदेशक को राज्य सहकारी बैंक के बोर्ड में सेवा करने की अनुमति देने का भी प्रावधान किया गया है.

गोदरेज ने दूरदर्शी लोगों का किया सम्मान

मुंबई.

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप (जीआईजी) के ब्रांड-अग्नोस्टिक फूड एवं लाइफ स्टाइल प्लेटफॉर्म, गोदरेज विक्रोली कुकिना ने फूड ब्लॉगर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफबीएआई) के साथ साझेदारी में सेवन रिवर, ताज हॉलिडे विलेज, गोवा में इंडिया फूड एंड बेवरेज अवार्ड्स 2024 (आईएफबीए) की मेजबानी की। भारत के विविध खाद्य इकोसिस्टम का जश्न मनाते हुए आईएफबीए उन व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करना जारी रखता है जिनके असाधारण काम ने खाद्य और पाक उद्योग को आकार और पुनर्परिभाषित किया है।प्रमुख सम्मानित लोगों में, शेफ संज्योत कीर को हॉस्पिटालिटी और पाक उद्योग पुरस्कार में प्रतिष्ठित उत्कृष्ट योगदान से सम्मानित किया गया, और कल्याण कर्माकर को एफबीएआई स्टार नामित किया गया। इसके अतिरिक्त, कई अन्य विजेताओं को उनके असाधारण काम के लिए रिकग्नाइज किया गया जिसमें खाद्य समीक्षक पृथ्वीश अशर भी शामिल थे, जिन्हें ईटरी में शीर्ष समीक्षा के लिए इंस्टा अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

2024 आईएफबीए ने 11 मुख्य श्रेणियों में प्रतिभा को मान्यता दी, जिसमें 33 उप-श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, ब्लॉग, यूट्यूब, मीडिया, हॉस्पिटालिटी, सार्वजनिक वोटिंग, एफबीएआई स्टार, उद्योग सहायता, शिक्षा, पीआर एजेंसी और आतिथ्य उद्योग और पाककला में योगदान शामिल हैं। इस वर्ष के समारोह में कुल 155

विजेताओं को सम्मानित किया गया, जो भारत के संपन्न खाद्य और पेय उद्योग के एक रोमांचक वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।इस कार्यक्रम में गोदरेज के स्वामित्व वाले कई ब्रांडों के एकीकरण का भी प्रदर्शन किया गया, जिनमें गोदरेज यम्मीज, गोदरेज जर्सी, गोदरेज रियल गुड चिकन और गोदरेज विक्रोली कुकिना शामिल हैं। हाइलाइट्स में गोदरेज जर्सी योगर्ट वॉल और गोदरेज जर्सी स्वीट शेक शामिल थे, जो खाद्य समुदाय को शामिल करने और आकर्षित करने के लिए बनाए गए असाधारण इंटरैक्टिव इंस्टॉलेशन थे। आगामी थैंक्सगिविंग का जश्न मनाने और खाद्य समुदाय को वापस लौटाने के लिए गोदरेज फूड्स ने एक विशेष थैंक्सगिविंग ग्राज़िंग टेबल की भी मेजबानी की, जिसमें यम्मीज प्रॉन रिसोइस और कैल्डिन ड्रिज़ल के साथ यम्मीज पनीर पॉप स्कूवर्स जैसे उत्पाद शामिल थे। इस शोकेस ने सामुदायिक भावना और एकजुटता को बढ़ावा देते हुए ब्रांड की पाक कला को जीवंत बना दिया।

शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल ने आध्यात्मिक परंपरा को अपनाया

नागपुर

दत्ता मेघे मेडिकल कॉलेज, वनाडोंगरी, नागपुर से जुड़ा 1020 बेड्स वाला मल्टी-सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटरने प्रत्येक शिफ्ट के शुरू होने से पहले नर्सिंग स्टाफ द्वारा दैनिक प्रार्थना की एक पुरानी परंपरा को अपनाया है। यह परंपरा हॉस्पिटल की संस्कृति का हिस्सा है और कई वर्षों से चली आ रही है, जो नर्सिंग स्टाफ को एक आध्यात्मिक चिंतन और मानसिक शांति देती है।

हर दिन, नर्सिंग टीम एकत्र होती है और प्रार्थना करती है, ताकि उन्हें दिनभर की चुनौतियों का सामना करने के लिए ताकत और मार्गदर्शन मिल सके। यह संक्षिप्त लेकिन अर्थपूर्ण प्रार्थना विधि उन्हें मानसिक रूप से खुद को केंद्रित करने में मदद करता है और उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों के लिए संकल्प और दृढ़ता को बढ़ावा देता है। इसके आध्यात्मिक महत्व के अलावा, यह परंपरा टीम की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी मजबूत करती है, जिससे मरीज की देखभाल और स्वास्थ्य में सुधार होता है।

यह प्रार्थना विधि शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहानुभूति, टीमवर्क और समग्र देखभाल के मूल मूल्यों का प्रतीक है। यह नर्सिंग टीम को उनके उद्देश्य से जुड़ने में मदद करता है, जिससे वे मरीजों को ऐसी देखभाल दे पाते हैं जो न केवल इलाज करती है बल्कि आराम भी देती है। यह परंपरा सहयोग और समर्थन का एक बंधन भी बनाती है, जिससे टीम का मनोबल बढ़ता है।

डॉ. अनुप मरार, डायरेक्टर, दत्ता मेघे इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च ऑफ-कैंपस, ने इस परंपरा के गहरे प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, "यह प्रार्थना हमारे हॉस्पिटल की संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा बन गई है, जो हमारे नर्सिंग स्टाफ के बीच स्पष्टता, ध्यान केंद्रित करने और नई ऊर्जा पैदा करने के लिए प्रेरित करती है। डॉ. वसंत गावंडे, चीफ मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटरने इन भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा, "यह दैनिक प्रथा हमारे स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्टता प्रदान करने के हमारे मिशन के अनुरूप है। यह हमारे नर्सिंग टीम के अटूट समर्पण को दर्शाता है, जो कुशल चिकित्सा देखभाल और सच्ची सहानुभूति का मिश्रण है।

डॉ. सीमा सिंह, नर्सिंग डायरेक्टर, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटरने इस परंपरा के व्यापक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "ऐसी प्रथाओं को बढ़ावा देकर, हम रोगी-केंद्रित देखभाल में एक मानक स्थापित करते हैं, जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण का ध्यान रखता है। इस परंपरा के माध्यम से, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल उत्कृष्टता को प्रेरित करता है, यह दिखाते हुए कि समग्र रोगी देखभाल इसके स्वास्थ्य देखभाल सिद्धांत का आधार है।

भारत के किसान उगा रहे ताबड़तोड़ प्याज

> कुल 242 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ

नई दिल्ली.

पिछले कुछ हफ्तों से प्याज की कीमतों में लगातार तेजी ने आम जनता और सरकार दोनों की चिंताएं बढ़ा दी हैं. चेन्नई जैसे शहरों में प्याज 100 से 110 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है. जबकि, राष्ट्रीय स्तर पर औसतन इसकी कीमत 70-80 रुपये प्रति किलो है. नोएडा की बात करें तो यहां प्याज 70 से 75 रुपये किलो बिक रहा है. हालांकि, केंद्र सरकार द्वारा सरकारी दुकानों पर 35 रुपये प्रति किलो प्याज बेचने और स्पेशल ट्रेनों के जरिए प्याज की आपूर्ति बढ़ाने जैसे कदम उठाए गए हैं. लेकिन, इसके बावजूद रिटेल कीमतों पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है. चलिए, जानते हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है. इसके साथ ही ये भी जानेंगे कि भारत में इतना प्याज होने के बाद भी कीमतें आसमान पर क्यों हैं?

भारत में प्याज की खेती लगभग सभी राज्यों में होती है. इसे रबी और खरीफ सीजन में उगाया जाता

है. 2023-24 में देश में कुल 242 लाख टन प्याज का उत्पादन हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 20 फीसदी कम है. महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है और यहां के नासिक जिले का लासलगांव एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी है. महाराष्ट्र अकेले भारत का 43 फीसदी प्याज उत्पादन करता है. जबकि, कर्नाटक और गुजरात दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं. इस साल प्याज की कीमतों में तेजी के पीछे कई कारण हैं. जैसे बारिश का असर. खरीफ सीजन में ज्यादा बारिश के कारण फसलों को नुकसान हुआ. इसके चलते प्याज की कटाई में देरी हुई और मंडियों में आपूर्ति प्रभावित हुई. इसके आलावा, उत्पादन में कमी भी इसके पीछे की एक वजह है. 2023-24 में उत्पादन में गिरावट के चलते मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ गया है. वहीं, बढ़ती मांग की वजह से भी प्याज महंगा हुआ है. भारत प्याज का दुनिया में सबसे बड़ा निर्यातक है. 2022-23 में भारत ने 2.5 मिलियन टन प्याज का निर्यात किया था, जिससे 4,525.91 करोड़ रुपये की कमाई हुई.

क्यों बढ़ रही हैं प्याज की कीमतें

बढ़ती घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने हाल ही में प्याज के निर्यात पर रोक लगाने जैसे कदम उठाए हैं. इसके अलावा महंगाई से निपटने के लिए केंद्र सरकार प्याज की स्टॉक लिमिट और आपूर्ति बढ़ाने जैसे कदम उठा रही है. हालांकि, एक्सपर्ट्स का कहना है कि कीमतों में स्थिरता लाने के लिए उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार करना भी जरूरी है.

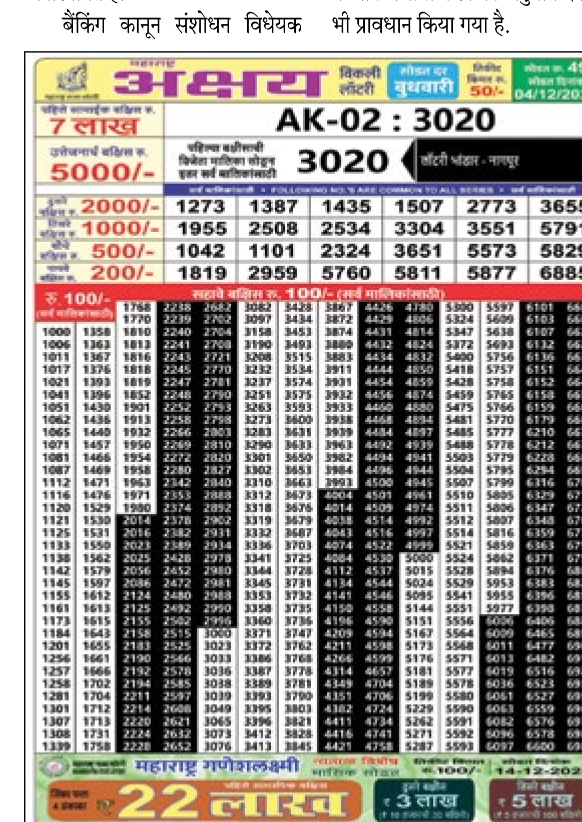

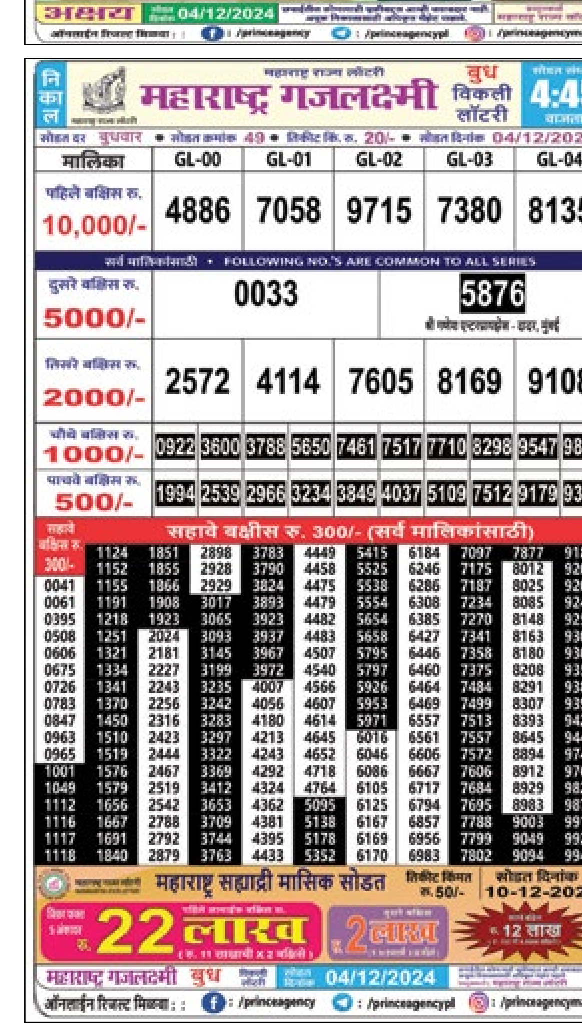

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट   प्रविण कडू : 9822472123

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, गुरुवार, 5 दिसंबर 2024 | अंक 53 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक
क्या आप जोड़े के दर्द से परेशान हो ?
•जोड़ों का दर्द •गठियावात •सन्धिशोथ •सरवाइकल पेन
पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।
तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअस्नेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।
नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

आज महाराष्ट्र सीएम पद की शपथ लेंगे फडणवीस

- तीसरी बार बनेंगे राज्य के मुख्यमंत्री
- महाराष्ट्र विधानसभा में हुई बीजेपी विधायक दल की बैठक
- देवेंद्र फडणवीस को एक सुर में बीजेपी विधायकों ने चुना
- एकनाथ शिंदे और अजित पवार डिप्टी सीएम होंगे

मुंबई।

महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे आने के 12 दिन बाद आखिरकार तय हो गया है कि नया मुख्यमंत्री कौन होगा। देवेंद्र फडणवीस आज गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। भारतीय जनता पार्टी की विधायक दल की बैठक में बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को विधायक दल का नेता चुना गया। चंद्रकांत पाटिल और सुधीर मुनगंटीवार ने नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका पंकजा मुंडे ने समर्थन किया। देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे, एनसीपी नेता अजित पवार के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है। इस दौरान बीजेपी के ऑब्जर्वर्स विजय रूपाणी और निर्मला सीतारमण भी मौजूद थे। आज आजाद मैदान में सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ 2 डिप्टी सीएम भी साथ शपथ लेंगे।

बीजेपी विधायक दल की बैठक में देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जनता ने महायुति गठबंधन को पूर्ण बहुमत देकर अपना विश्वास जताया है। ये चुनाव ऐतिहासिक रहा है। हमें अभूतपूर्व मैंडेट मिला है। हम इसके लिए देश के पीएम नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि जनता ने ये साबित कर दिया है कि एक हैं तो सेफ हैं का नारा कितना सच और जरूरी है। वहीं निर्मला सीतारमण ने भी इस नारे को दोहराया।

सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बात की। फडणवीस ने कहा, हम तीनों नेता एक हैं। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने मेरे समर्थन का पत्र राज्यपाल को सौंपा है। हम सभी एक हैं। डिप्टी सीएम और सीएम सिर्फ तकनीकी पद हैं। मैंने शिंदेजी से कहा कि वे डिप्टी सीएम बनें।

मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान होने में हुई देरी को लेकर कई तरह की अटकले लगायी जा रही थी। बैठक में पहुंचे दोनों ही पर्यवेक्षक निर्मला सीतारमण और विजय रुपाणी के सामने पार्टी के विधायकों ने सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुन लिया। इसका सीधा प्रसारण कर बीजेपी ने जनता के बीच संदेश दिया कि पार्टी में कोई विवाद नहीं है।

फडणवीस ने शपथ से पहले ही शुरू की नई परंपरा

शपथ समारोह के लिए नेताओं को जो आमंत्रण पत्र भेजा गया है, उसमें भी देवेंद्र फडणवीस के साथ मां सरिता का नाम लिखा गया है। अब तक फडणवीस अपने नाम के साथ पिता गंगाधरराव का नाम लिखते रहे हैं। इसी चुनाव के शपथ पत्र में उन्होंने अपना नाम देवेंद्र गंगाधर राव फडणवीस लिखा था। इसके अलावा 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में भी उनका यही नाम था। इस तरह पहली बार उन्होंने मां का नाम अपने साथ जोड़ा है। आमंत्रण पत्र पढ़ने के बाद लोगों में इस बात को लेकर चर्चा है।

शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर

दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में आज गुरुवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ-साथ करीब 2,000 अति महत्वपूर्ण व्यक्ति और 40,000 कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस समारोह में कई केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न राज्यों के 19 मुख्यमंत्रियों तथा उपमुख्यमंत्रियों के भी शामिल होने की उम्मीद है।

5 साल पूरी ताकत के साथ खड़े रहेंगे: शिंदे

एकनाथ शिंदे ने कहा, आज हमने राजपाल को अपना समर्थन पत्र दे दिया है। गुरुवार को फडणवीस सीएम पद की शपथ लेंगे। हमने पत्र में इसका समर्थन किया है। इसी तरह ढाई साल पहले फडणवीस ने सीएम के लिए मेरा नाम प्रस्तावित किया था। हम 5 साल पूरी ताकत के साथ खड़े रहेंगे। महायुति सरकार जनता के लिए काम करेगी।

स्थिर सरकार चलेगी: अजित पवार

एनसीपी नेता अजित पवार ने कहा, फडणवीस ने सबकुछ बता दिया है। हमने फडणवीस को अपना समर्थन पत्र दिया है। 5 साल पूरी स्थिर सरकार चलेगी। अब कोई विधायक किसी पार्टी से नहीं भागेगा। अपने मन से ये बात निकाल दें कि मैं अमित शाह से मिलने दिल्ली गया था।सरकार के गठन को लेकर हमारी पहले ही चर्चा हो चुकी थी। हम सब मिलकर महाराष्ट्र के विकास के लिए काम करेंगे। हम इस पर काम करेंगे कि सभी जातियों का भला कैसे हो सके।

खबरें! एक नजर में!!

साइबर ठगी पर सीबीआई का बड़ा ऑपरेशन

नई दिल्ली। सीबीआई ने बुधवार को दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में 117 करोड़ रुपये की अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी के मामले में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (4सी) से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज मामले की जांच के तहत की गई। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि अज्ञात संगठित साइबर अपराधी और विदेशी तत्व भारत में संगठित वित्तीय ठगी को अंजाम दे रहे हैं।

अमृतसर-मुंबई ट्रेन को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली. अमृतसर से मुंबई के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 11058 के पार्सल वैन में बम की कॉल मिलने से जीआरपी कंट्रोल रूम में खलबली मच गई। जब गहनता से जांच की गई तो जीआरपी को पटाखे मिले। जिसके बाद अधिकारियों ने चैन की सांस ली है। 11058 अमृतसर-सीएसएमटी एक्सप्रेस में दिल्ली से आए एक पार्सल में बम होने की सूचना जीआरपी कंट्रोल रूम को मंगलवार सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर मिली थी।

असम में गोमांस खाना और परोसना बैन

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत विश्व सरमा ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि राज्यभर के होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस न तो खाया जाएगा और न ही परोसा जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिया जाएगा। बिस्वा के आदेश पर असम के मंत्री पीयूष हजारिका ने असम कांग्रेस को इस फैसले का स्वागत करने की सलाह दी है।

आतंकियों ने आर्मी के जवान को मारी गोली

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। कभी ग्राम सुरक्षा गार्ड को निशाना बनाना तो कभी चोरी-छिपे आम लोगों को निशाने पर लेना। इन दिनों इस तरह की वारदातें तेज हो गई हैं। इसी क्रम में अब आतंकियों ने टेरिटोरियल के एक जवान को अपना शिकार बनाया है। दक्षिण कश्मीर के त्राल मे आतंकियों ने अवकाश पर घर आए टेरिटोरियल आर्मी के एक जवान मुश्ताक अहमद सोफी को गोली मारी है।

महाराष्ट्र समेत चार राज्यों में भूकंप के झटके

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.3 मापी गई। झटके महाराष्ट्र के नागपुर, चंद्रपुर और गढ़चिरोली और छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में महसूस किए गए। इसके अलावा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुलुग, हैदराबाद, रंगारेड्डी,भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम और कृष्णा जिलों में भी लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए।

104 साल का बुजुर्ग 36 साल बाद जेल से छूटा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में 104 साल के बुजुर्ग 36 साल जेल की सजा काटने के बाद रिहा हुए हैं। 29 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद रसिक चंद्र मंडल मंगलवार को मालदा करेक्शनल होम से बाहर आए। उन्हें 1988 में भाई की हत्या के आरोप में न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। 1994 में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें दोषी करार करते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

सुखबीर बादल पर फायरिंग

बाल-बाल बचे, गोल्डन टेंपल के बाहर सेवा कर रहे थे

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल उस वक्त बाल-बाल बच गए जब उनके ऊपर स्वर्ण मंदिर के बाहर हमला किया गया। इस हमले को लेकर एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि किस तरह से हमलावर ने गोली चलाई और कैसे वहां मौजूद अन्य लोगों ने आरोपी को उसकी पिस्तौल समेत पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। बादल पर जिस समय ये हमला हुआ उस दौरान वहां मीडिया कर्मी भी मौजूद थे। इस हमले के बाद अब स्वर्ण मंदिर की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। इस हमले में सुखबीर सिंह बादल बाल-बाल बच गए हैं। सुखबीर सिंह बादल को डेरा सच्चा सौदा सिरसा के प्रमुख राम रहीम को माफी और बेअदबी के मामले में सजा सुनाते हुए कहा था कि सुखबीर सिंह बादल को चोट के चलते श्री दरबार साहिब (गोल्डन टेंपल) के घंटाघर के बाहर ड्यूटी करनी है। ये ड्यूटी वह व्हीलचेयर पर बैठ कर देंगे। जिस समय हमला हुआ उस दौरान वह इसी सजा को पूरा करने के क्रम में थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमला करने वाला नारायण सिंह चौरा बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का आतंकवादी रहा है। नारायण चौरा 1984 में पाकिस्तान गया था। आतंकवाद के शुरुआती दौर में पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में मदद करता था। पाकिस्तान में रहते हुए उसने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब भी लिखी है। वो बुड़ैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी है। नारायण इससे पहले पंजाब की जेल में सजा काट चुका है। वो खालिस्तान लिबरेशन फोर्स और अकाल फेडरेशन से जुड़ा हुआ था। उस पर करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। नारायण सिंह चौरा चंडीगढ़ जेल ब्रेक कांड का भी आरोपी है।

राहुल-प्रियंका को संभल जाने से रोका

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर 4 घंटे जाम से लोग परेशान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को भड़की हिंसा मामले पर राजनीति लगातार गरमाई हुई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कांग्रेसी प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने की इजाजत नहीं दी गई। संभल के लिए निकले कांग्रेसी सांसद ने गाजीपुर में रोके जाने के बाद करीब पौने दो घंटे तक प्रशासन के समक्ष आगे जाने की मांग रखी। उनकी मांग को नहीं माना गया। इसके बाद राहुल गांधी ने वापस लौटने का फैसला लिया।

इस दौरान राहुल गांधी अपनी गाड़ी के सनरूफ से बाहर निकल कर मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। संविधान की किताब को हाथ में लिए राहुल गांधी ने कहा कि सरकार संविधान के नियमों का पालन नहीं कर रही है। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राहुल गांधी एक संवैधानिक पद पर हैं। उनके अधिकारों को छीना जा रहा है।

राहुल गांधी ने गाजीपुर बॉर्डर से वापसी के फैसले के बाद मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम संभल जाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस इजाजत नहीं दे रही है। विपक्ष के नेता के तौर पर जाना मेरा अधिकार है। इसके बाद भी वे मुझे रोक रहे हैं। मैंने कहा कि मैं अकेले जाने को तैयार हूं। मैं पुलिस के साथ जाने को तैयार हूं। इसके बाद भी हमें इजाजत नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि हम संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। गाजीपुर में यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार की नो-एंट्री को राहुल गांधी आखिरकार नहीं भेद पाए। अब राहुल गांधी और प्रियंका गाधी गाजीपुर बॉर्डर से संसद की कार्यवाही में भाग लेने जा रहे हैं।

रोका गया था काफिला

गाजीपुर बॉर्डर पर भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच राहुल गांधी-प्रियंका गांधी के काफिले को रोका गया। इसके बाद पुलिस और प्रशासन के साथ राहुल गांधी ने बातचीत की। संभल जाने के लिए तीन ऑफर दिए। हालांकि, पुलिस ने उनकी सभी मांगों को ठुकरा दिया। कांग्रेस की ओर से पुलिस अधिकारी के सामने पहला प्रस्ताव रखा गया कि कांग्रेस नेताओं के काफिले को संभल जाने दिया जाए। पुलिस नहीं मानी तो कांग्रेस ने पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने देने का प्लान दिया गया। इस प्रतिनिधिमंडल में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, अविनाश पांडेय और अजय राय के जाने की बात कही गई।

जीएसटी में जुड़ सकता है नया टैक्स स्लैब

इन चीजों पर लग सकता है 35% तक कर

नई दिल्ली। एक अधिकारी ने बताया कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह ने सोमवार को वातित पेय पदार्थों पर कर को मौजूदा 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का फैसला किया। इसके अलावा, सरकार सिगरेट और तंबाकू जैसे अन्य हानिकारक सामानों पर भी कर बढ़ाने की योजना बना रही है। मंत्रिसमूह की रिपोर्ट पर 21 दिसंबर को जीएसटी परिषद द्वारा चर्चा किए जाने की उम्मीद है, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करेंगी और जिसमें उनके राज्य समकक्ष शामिल होंगे। जीएसटी दरों में बदलाव पर अंतिम निर्णय परिषद द्वारा लिया जाएगा। अधिकारी ने कहा, जीओएम ने तंबाकू और उससे संबंधित उत्पादों तथा वातित पेय पदार्थों पर 35 प्रतिशत की विशेष दर प्रस्तावित करने पर सहमति जताई है।

5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की चार स्तरीय कर स्लैब जारी रहेगी तथा जीओएम द्वारा 35 प्रतिशत की नई दर प्रस्तावित की गई है।" वर्तमान में, जीएसटी एक चार स्तरीय कर संरचना है, जिसमें 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत की स्लैब हैं। जीएसटी के तहत, आवश्यक वस्तुओं को या तो छूट दी गई है या सबसे कम स्लैब पर कर लगाया गया है, जबकि विलासिता और अवगुण वाली वस्तुओं पर सबसे अधिक स्लैब लागू है। कार, वॉशिंग मशीन जैसी विलासिता की वस्तुओं और वातित जल जैसी अवगुण वाली वस्तुओं पर सबसे अधिक 28 प्रतिशत स्लैब के ऊपर उपकर लगता है। अधिकारी ने कहा कि दरों को तर्कसंगत बनाने पर जीओएम ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है, जिसे परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। परिषद अब यह तय करेगी कि दरों को तर्कसंगत बनाने की और गुंजाइश है या नहीं और हो सकता है कि इसे कम करने का फैसला किया जाए।

प्रोबा-3 की लॉन्चिंग टली

ऐनवक्त पर आई खराबी, आज फिर किया जाएगा लॉन्च

नई दिल्ली। पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 की लॉन्चिंग को लेकर भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो (इसरो) ने बुधवार को पूरी तैयारियां कर ली थीं। वैज्ञानिक मिशन की सफलता को लेकर काफी उत्साहित थे, लेकिन आखिरी समय में ऐसा क्या हुआ कि इसरो में हड़कंप मच गया। इसरो ने पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 की लॉन्चिंग कल तक के लिए टाल दी है। इस बात की जानकारी खुद भारतीय स्पेस एजेंसी ने दी है। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोबा-3 मिशन को री-शिड्यूल किए जाने को लेकर पोस्ट किया। इसरो ने बताया, 'प्रोबा-3 एयरक्राफ्ट में खामियां पाई गई हैं, जिसके कारण पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 का प्रक्षेपण आज गुरुवार फिर 16:12 बजे किया जाएगा।' अब वैज्ञानिक पूरी एकजुटता के साथ प्रोबा-3 स्पेसक्राफ्ट में आई खामी को ठीक करने में जुटी हुई है। ताकि आज जब इसे लॉन्च किया जाए, तो प्रेक्षपण के सफल होने की गारंटी 100% रहे। हालांकि इसरो ने प्रोबा-3 मिशन की लॉन्चिंग को लेकर पूरी तैयारी कर ली थीं। इसको लेकर इसरो एक्स पर जानकारी भी पोस्ट कर रही थी।

पिछले पांच सालों में 60 जिले हुए नक्सलवाद से मुक्त

नई दिल्ली।

भारत को 2026 तक नक्सल मुक्त बनाने के अपने मिशन पर आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार ने पिछले पांच सालों में 60 जिलों को वामपंथी उग्रवाद के खतरे से मुक्त कराया है। इस साल की शुरुआत में गृह मंत्री अमित शाह ने अगले दो सालों में भारत से नक्सलवाद के खात्मे की घोषणा की थी। राज्यसभा में बुधवार को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा, इस समय देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से 38 जिले प्रभावित हैं। पिछले पांच सालों में 60 जिलों को वामपंथी उग्रवाद के खतरे से मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि 2019-20 से 2023-24 के बीच पिछले पांच वर्षों के दौरान विशेष अवसंरचना योजना (एसआईएस), सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) और विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजनाओं के तहत वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों की क्षमता निर्माण के लिए 4350.78 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वर्तमान में देश में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 11 राज्यों के 38 जिले हैं। इनमें से अधिकांश जिले (16) बिहार में हैं, इसके बाद झारखंड में 14 और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में सात-सात जिले हैं।

बिहार में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों में अरवल, औरंगाबाद, बांका, पूर्वी चंपारण, गया, जमुई, जहानाबाद, कैमूर, लखीसराय, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नवादा, नालंदा, रोहतास, वैशाली, पश्चिमी चंपारण शामिल हैं। जबकि झारखंड में बोकारो, चतरा, धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, हजारीबाग, खूंटी, कोडरमा, पलामू, रामगढ़, रांची, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां जैसे जिले प्रभावित हैं। वामपंथी उग्रवाद की समस्या को समग्र रूप से संबोधित करने के लिए 2015 में 'वामपंथी उग्रवाद को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' को मंजूरी दी गई थी। इसमें सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास हस्तक्षेपों, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और पात्रता आदि को शामिल करते हुए एक बहुआयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है।

उग्रवाद से संबंधित हिंसक घटनाओं में आई कमी

नित्यानंद राय ने कहा कि 2010 की तुलना में 2023 में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसक घटनाओं की संख्या में 73 प्रतिशत की कमी आई है। परिणामी मौतों (सुरक्षा बल + नागरिक) की संख्या भी 2010 में 1005 से घटकर 2023 में 138 हो गई है, जो 86 प्रतिशत की कमी है। राय ने बताया कि वामपंथी उग्रवाद की स्थिति में सुधार के कारण वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या अप्रैल 2018 में 126 से घटकर 90, जुलाई 2021 में 70 और अप्रैल 2024 में 38 हो गई है।

बॉयलर्स विधेयक को राज्यसभा में मंजूरी

किसानों के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों का वॉकआउट

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के आठवें दिन (बुधवार) को संभल हिंसा, बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, मणिपुर का मुद्दा, भारत-चीन सीमा विवाद, नौकरियों में निजीकरण और किसानों के मुद्दे छाए रहे। बुधवार को रेलवे (संशोधन) विधेयक 2024 संसद में पेश किया गया। राज्यसभा ने बॉयलर्स विधेयक को मंजूरी दी। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बॉयलर्स बिल 2024 पेश किया। इस बिल पर चर्चा की शुरुआत उत्तर प्रदेश से बीजेपी के राज्यसभा सदस्य बृज लाल ने की है। विस्तृत चर्चा के बाद राज्यसभा ने बॉयलर बिल पारित कर दिया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बिल पर बहस का जवाब देते हुए राज्यसभा सांसदों के सवालों और शंकाओं का जवाब दिया। सुबह 11 बजे राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने सांसद मिलिंद देवड़ा को जन्मदिन की बधा इसके कुछ देर बाद विपक्षी सदस्य किसानों और अडानी समूह से जुड़े मुद्दों को लेकर 'किसान विरोधी ये सरकार, नहीं चलेगी नहीं चलेगी' नारे लगाने लगे और सदन से वॉकआउट कर दिया। इधर, असदुद्दीन ओवैसी ने शून्यकाल के दौरान मणिपुर हिंसा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हथियारों की रिकवरी से लेकर हिंसा तक के आंकड़े गिनाए।

CMYK

सुविचार

हमारे स्वाभाव संस्कारो की वो चादर है,
- जो घर की इज्जत को ढक कर रखते है

संपादकीय

ये तीन प्रयोग आक्रामक प्रतिक्रिया से बचाएंगे

देश में आत्महत्या के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। लोग बहुत जल्दी विचलित, क्रोधित, बेचैन हो रहे हैं। ये धीमी आत्महत्या है। प्रतिक्रिया और क्रोध धीरे-धीरे स्वभाव बन रहा है। लोग बात-बात पर गुस्सा होते हैं। हर बात की आक्रामक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। सहन कोई करना नहीं चाहता। अगर आपको ऐसा लगता है कि यह विचार आपके भीतर उतर रहा है, तो तीन प्रयोग करिए। पहला, कोई न कोई भजन रोज सुनिए और गुनगुनाइए। दूसरा प्रयोग, पुराने सिनेमा के गाने सुनिए। पहले गाने ऐसे बनते थे, जिन्हें कानों से सुनते थे और जो हृदय में उतरते थे। अब जो गीत बनते हैं, वो आंखों से ज्यादा देखे जाते हैं। पहले के गीत ताजगी देते थे, अब के गीत थकान देंगे। और तीसरा काम करिए, अपने घर के या आसपास के बच्चों से जरूर बात करिए। और बच्चों से बात करते समय भीतर से बिल्कुल बच्चे हो जाइए। ये तीन काम आपको इतने भावनात्मक बना देंगे कि आप इस तरह के नकारात्मक विचारों का इलाज खुद ही ढूंढ लेंगे। और वो है खुश रहें, खुश रखें।

लोक कथा

लालची कुत्ता

इथियोपिया के अम्बो शहर के पास एक लड़का रहता था। वह अपने माता पिता के साथ ही रहता था और अपने पिता की भेड़ों की देखभाल में उनका हाथ बंटाता था। वह रोज भेड़ों को घास चराने के लिए ले जाता था। उसके पास एक कुत्ता भी था। वह कुत्ता उसका अच्छा साथी था और कई मौकों पर उसकी सहायता भी करता था। वह उसकी भेड़ों की देख भाल भी करता था। सुबह सुबह वह कुत्ता उन भेड़ों को मैदानों की तरफ चराने के लिए ले जाता और शाम को ही उनको घर वापस लाता। सब काम वह बहुत अच्छा करता था पर वह लालची बहुत था। उसको अपने लिये सारी चीज़ें चाहिये थीं। एक दिन उस कुत्ते ने घर से थोड़ा सा माँस चुराया और उसको ले कर दूर जंगल में भाग गया। कुछ दूर जाने के बाद ही एक छोटी सी नदी आयी। नदी पार करने के लिए नदी के ऊपर एक पुल था। जब वह कुत्ता पुल से हो कर नदी पार कर रहा था तो उसने नीचे पानी की तरफ देखा। पानी में उसको अपनी परछाँई दिखायी दी। परछाँई देख कर उसने सोचा कि वह कोई दूसरा कुत्ता था जो उससे ज़्यादा बड़ा माँस का टुकड़ा लिये जा रहा था। पहले तो उसे यह सब देख कर डर लगा पर तुरन्त ही लालच ने उसे घेर लिया। उसकी उस दूसरे कुत्ते से वह माँस का टुकड़ा लेने की इच्छा हो आयी और वह तुरन्त ही उस दूसरे कुत्ते से माँस के टुकड़े को छीनने के लिये नदी में कूद पड़ा। पानी में कूद कर उसने दूसरे कुत्ते का माँस का टुकड़ा छीनने के लिये अपना मुंह खोला तो उसके अपने मुंह का माँस का टुकड़ा तो पानी में गिर गया और नदी के पानी के बहाव में बह गया।

रुचिर शर्मा

निवेश की दुनिया में आज अमेरिका का ही सिक्का चल रहा है

यह विचार कि अमेरिका एक असाधारण देश है, जो अपने प्रतिद्वंद्वियों से श्रेष्ठ होने के कारण दुनिया का नेतृत्व करने की हैसियत रखता है, अधिकांश पर्यवेक्षकों को पुराना लगने लगा था। राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य हलकों में इन दिनों अमेरिका को लेकर हो रही चर्चाएं एक निष्क्रिय महाशक्ति की हैं, जो विदेश में अलग-थलग है और घर में ध्रुवीकृत है। लेकिन निवेश की दुनिया में अमेरिका का सिक्का आज भी सबसे ज्यादा चलता है। अमेरिकी वित्तीय बाजारों की मजबूती और सभी अन्य अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता में विश्वास से एकजुट होकर पूरी दुनिया के निवेशक आधुनिक इतिहास में पहले से कहीं ज्यादा पूंजी एक ही देश में लगा रहे हैं। अमेरिकी शेयर बाजार अब बाकी सभी से ऊपर है। सापेक्ष मूल्य (रिलेटिव प्राइसेस) एक सदी से भी पहले डेटा शुरू होने के बाद से सबसे ज्यादा हैं और सापेक्ष मूल्यांकन आधी सदी पहले डेटा शुरू होने के बाद से अपने शीर्ष पर है। परिणामस्वरूप, वैश्विक शेयर सूचकांक में अमेरिका का हिस्सा लगभग 70 प्रतिशत हो गया है। जबकि 1980 के दशक में यह मात्र 30 प्रतिशत था। और डॉलर 50 साल पहले विकसित दुनिया द्वारा निश्चित विनिमय दरों को छोड़ने के बाद से किसी भी समय की तुलना में अधिक मूल्य पर कारोबार कर रहा है। इस बात पर आम सहमति है कि आज अमेरिका और शेष दुनिया के बीच में जो अंतर है, वह शीर्ष अमेरिकी कंपनियों की कमाई की शक्ति, उनकी वैश्विक पहुंच और तकनीकी इनोवेशन में उनकी अग्रणी भूमिका के कारण उचित ही है। बाजारों में 'अमेरिकी असाधारणता' का रुतबा अब दूसरे

ही स्तर पर जा चुका है। वैश्विक शेयर बाजारों में अमेरिका का हिस्सा वैश्विक अर्थव्यवस्था के 27 प्रतिशत हिस्से से कहीं अधिक है। व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी ने इसे और मजबूत किया है। निवेशकों का मानना है कि टैरिफ बढ़ाने, करों को कम करने और नियमों में कटौती करने की उनकी योजनाएं अमेरिकी बाजारों को और बढ़ाएंगी, जो वैश्विक वित्तीय संकट के अंत के बाद से दुनिया के बाकी हिस्सों से आगे निकल गए हैं। आज ऐसा लगने लगा है जैसे पूरी दुनिया में अमेरिका ही निवेश करने लायक एकमात्र देश रह गया है। एशिया और यूरोप की यात्रा करते हुए मैं ऐसे निवेशकों से मिलता रहता हूं, जो अमेरिका से अभिभूत दिखते हैं। मुंबई में वित्तीय सलाहकार अपने ग्राहकों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे भारत से बाहर एक ऐसे बाजार में पैसा लगाएं, जो भारत से कहीं महंगा है- अमेरिका। सिंगापुर में धन प्रबंधकों के साथ लंच के दौरान मेजबान ने उनसे पूछा : क्या यहां कोई ऐसा है, जिसके पास एनवीडिया नहीं है? एक भी हाथ नहीं उठा। यूरोप और जापान की तुलना में अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। हालांकि कई अन्य विकासशील देशों की तुलना में यह धीमी है। फिर भी 1998 में उभरते बाजारों को जकड़ने वाले वित्तीय संकट की गहराई के बाद से अमेरिका का ऐसा प्रभुत्व नहीं देखा गया था। वैश्विक ऋण और निजी बाजारों में अमेरिका का आकर्षण पहले से कहीं अधिक प्रबल हुआ है। 2024 में विदेशियों ने 1 ट्रिलियन डॉलर की वार्षिक दर से अमेरिकी ऋण में पूंजी डाली है, जो यूरोजोन से दोगुना है। निजी निवेश के 13 ट्रिलियन डॉलर के वैश्विक बाजार में से 70 प्रतिशत का फ्लो आज अमेरिका की तरफ है। अधिकांश पर्यवेक्षकों का मानना है कि दुनिया तेजी से बहुध्रुवीय होती जा रही है, लेकिन निवेशक इससे विपरीत विचार रखते हैं। वे मानते हैं कि दुनिया अमेरिका के पक्ष में एकध्रुवीय हो रही है। अतीत में- जिसमें 1920 के दशक की तेजी और डॉटकॉम युग भी शामिल है- बढ़ता हुआ अमेरिकी बाजार अन्य बाजारों को भी ऊपर उठाता था। लेकिन आज तेजी से बढ़ता अमेरिकी बाजार अन्य बाजारों से पैसा चूस रहा है। वैश्विक निवेशकों के दिमाग में पूरी तरह से हावी हो चुके अमेरिका को आज ओवर-हाइप्ड और अति-मूल्यांकित कर दिया गया है।

हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी का पर्व मनाया जाता है. यह पर्व प्रथम पूजनीय माने जाने वाले भगवान गणेश को समर्पित होता है. भगवान गणेश को विनायक भी कहा जाता है. इस दिन भगवान गणेश की विशेष कृपा पाने के लिए उनकी पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है. मान्यता है कि विनायक चतुर्थी का व्रत करने से भक्तों के सभी प्रकार के विघ्न और संकट दूर होते हैं और उन्हें सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस विनायक चतुर्थी पर कुछ शुभ संयोग भी बन रहे हैं.

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि की 4 दिसंबर 2024 की दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन अगले दिन 5 दिसंबर 2024 दोपहर को 12 बजकर 49 मिनट पर होगा. ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, विनायक चतुर्थी का व्रत 5 दिसंबर यानी आज 2024 दिन गुरुवार को रखा जाएगा. पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी की पूजा का शुभ मुहूर्त 5 दिसंबर 2024 के दिन सुबह 11 बजकर 9 मिनट से लेकर दोपहर के 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगा. गणेश जी की पूजा के लिए इस बार पूजा के शुभ मुहूर्त की कुल अवधि 1 घंटा 40 मिनट की रहेगी.इस बार विनायक चतुर्थी के दिन कुछ बेहद शुभ संयोग भी बन रहे हैं. इस दिन दोपहर 12 बजकर 28 मिनट तक वृद्धि योग रहेगा. इसके बाद ध्रुव योग की शुरुआत होगी. साथ ही इस दिन शाम 5 बजकर 26 मिनट तक रवि योग भी रहेगा. बेहद दुर्लभ माना जाने वाला भद्रावास योग भी इस विनायक चतुर्थी पर बन रहा है. भगवान गणेश की पूजा इन सभी शुभ संयोग में करना विशेष फलदायक रहेगा. मार्गशीर्ष विनायक चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर घर की सफाई करें और उसके बाद स्नान आदि कर के स्वच्छ वस्त्र धारण करें. अब भगवान गणेश का ध्यान करें और विनायक चतुर्थी के व्रत का संकल्प लें. अब एक साफ स्थान पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर गणेश जी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें. कलश में गंगाजल भरकर गणेश जी का अभिषेक करें. अब चंदन, कुमकुम और फूलों से गणेश जी का श्रृंगार करें. अब धूप और दीप जलाएं. गणेश जी को मोदक, फल और अन्य नैवेद्य अर्पित करें. गणेश जी के अलग- अलग मंत्रों का जाप करें. गणेश जी के कुछ प्रमुख मंत्र इस प्रकार हैं.

मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा: चुनौतियां एवं समाधान

व्यक्ति और समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और बहुआयामी है। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, सामाजिक प्रगति, और आर्थिक विकास का आधार भी है। शिक्षा वर्तमान युग का ऐसा हथियार है जिससे व्यक्ति अपने सामाजिक प्रस्थिति को उर्ध्वगामी कर सकता है अर्थात् जहाँ परंपरागत समाजों में व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी प्रदत्त प्रस्थिति से होता था जिसको आजीवन वह बदल नहीं सकता था वहीं आज के अर्जित प्रस्थिति पर आधारित समाजों में शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण कारक है जिसके माध्यम से व्यक्ति समाज में अपनी लोकेशन को सकारात्मक तरीके से बदल सकता है वंचित वर्ग और हाशिए के समाजों के लिए शिक्षा प्रगति और विकास के असीमित द्वार खोलता है। शिक्षा व्यक्ति को नैतिक, बौद्धिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनाती है। यह आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और समस्या-समाधान का कौशल विकसित करती है। शिक्षा व्यक्ति को रोजगार के योग्य बनाती है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा से व्यक्ति आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सकता है। शिक्षा ना केवल व्यक्ति को पेशेवर रूप से दक्ष बनाती है वरन यह व्यक्ति को समाज का एक ऐसा सदस्य बनाती है जो समाज के सामाजिक लक्ष्यों और उसे प्राप्त करने वाले मान्यता प्राप्त साधनों के साथ तादात्म्य स्थापित करने में भी सहयोग करती है। इसके साथ ही शिक्षा समाज में समानता स्थापित करने कि कार्य भी करती है। शिक्षा जाति, धर्म, लिंग और वर्ग के भेदभाव को कम करने में मदद करती है। यह समाज में समान अवसरों को बढ़ावा भी देती है। वर्तमान समय में देखें तो हम पाते है कि सामान्य वर्ग की महिलाओं की शिक्षा में सकारात्मक प्रगति हुई है, लेकिन वंचित वर्ग की महिलाओं को अभी भी कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारतीय महिलाओं की कुल साक्षरता दर 65.46% थी वहीं 2011 में दलित महिलाओं की साक्षरता दर 56.46% और आदिवासी महिलाओं की 49.35% थी। भारत में मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा की स्थिति एक जटिल और बहुआयामी विषय है। यह स्थिति सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और धार्मिक कारकों से प्रभावित होती है। हालांकि पिछले कुछ दशकों में सुधार हुआ है, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की साक्षरता दर 51.9% थी, जो अन्य धार्मिक- सांस्कृतिक समुदायों की महिलाओं की तुलना में कम है। इस दर में सुधार हुआ है, लेकिन यह अभी भी राष्ट्रीय औसत से कम है। मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा का निम्न स्तर भारतीय समाज में एक गंभीर मुद्दा है, जो कई सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, और धार्मिक कारणों से प्रभावित होता है। यह समस्या केवल मुस्लिम समुदाय तक सीमित नहीं है, लेकिन मुस्लिम लड़कियों के संदर्भ में इसके विशेष पहलू हैं। मुस्लिम समाज में शिक्षा के निम्न स्तर के सामाजिक कारण कई आयामों में देखे जा सकते हैं। मुस्लिम समाज में शिक्षा को लेकर परंपरागत सोच और रूढ़िगत मान्यताओं ने शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के बजाय पुरुषों को प्राथमिकता दिया है यह मान्यता की रोजगार का क्षेत्र लड़कों के लिए है और लड़कियों के लिए घरेलू जिम्मेदारियां प्राथमिक है, के कारण इस समाज में पेशेवर शिक्षा से लड़कियों को महरूम किया जाता रहा है। इसके साथ ही कई परिवार आधुनिक शिक्षा के बजाय धार्मिक शिक्षा (मदरसा शिक्षा) को प्राथमिकता देते हैं।

हालांकि, धार्मिक शिक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह मुख्यधारा की शिक्षा की कमी की भरपाई नहीं कर सकती।लड़कियों की सुरक्षा का मुद्दा भी उनकी शिक्षा के बाधक कारक के रूप में सामने आता है मुस्लिम समाज के कई हिस्सों में लड़कियों की सुरक्षा को लेकर माता-पिता चिंतित रहते हैं यह अक्सर लड़कियों को स्कूल जाने से रोकने का कारण बनता है। बाल विवाह का प्रचलन भी सामाजिक रूढ़ि के रूप में मुस्लिम लड़कियों के शिक्षा को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने वाला तत्व है। वहीं लैंगिक भूमिकाओं के सूक्ष्म अभिव्यक्ति के रूप में हम देखते है कि लड़कियों को घर के कामों में मदद करने और छोटे बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी दी जाती है, जिससे उनकी पढ़ाई बाधित होती है। आधुनिक शिक्षा के प्रति संदेह की भावना भी इस समुदाय के शिक्षा को प्रभावित करती है कुछ परिवार आधुनिक शिक्षा को "धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों" के लिए खतरा मानते हैं। मुस्लिम समाज में शिक्षा के निम्न स्तर के सामाजिक कारण परंपरागत सोच, लैंगिक भेदभाव, और सामाजिक असुरक्षा से जुड़े हैं। मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा में बाधक आर्थिक कारक उनके शैक्षणिक विकास में एक महत्वपूर्ण अवरोधक हैं। इन कारकों का संबंध परिवार की आर्थिक स्थिति, शिक्षा पर होने वाले खर्च, और आर्थिक प्राथमिकताओं से है। मुस्लिम समुदाय के एक बड़े हिस्से की आय कम है, जिससे उनकी प्राथमिकता भोजन, स्वास्थ्य और रहने की व्यवस्था बनाना होती है।

इन प्राथमिकताओं को पूरा करने के पश्चात भी यदि ये परिवार शिक्षा पर खर्च करते है तो उनका बड़ा हिस्सा परिवार के लड़कों पर जाता है ।लड़कों की शिक्षा को निवेश के रूप में देखा जाता है, जबकि लड़कियों की शिक्षा को "अर्थहीन खर्च" माना जाता है। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अच्छी गुणवत्ता वाले स्कूलों और कॉलेजों की कमी। कई बार गरीब परिवारों को सस्ते और नजदीकी स्कूल नहीं मिलते, जिससे उनकी लड़कियां पढ़ाई छोड़ देती हैं। मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा में सांस्कृतिक कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह समस्या परंपरागत सोच, सामुदायिक दबाव, और सांस्कृतिक प्रथाओं से जुड़ी हुई है। इन कारकों का प्रभाव शिक्षा की गुणवत्ता, पहुंच, और निरंतरता पर पड़ता है। मुस्लिम समाज के कई हिस्सों में यह धारणा है कि लड़कियों को अधिक शिक्षा की जरूरत नहीं है, क्योंकि उन्हें शादी के बाद घरेलू जिम्मेदारियां निभानी होती हैं। सह-शिक्षा को कई परिवारों द्वारा "अनुचित" माना जाता है, जिससे लड़कियों को स्कूल भेजने में हिचकिचाहट होती है। कुछ परिवार आधुनिक शिक्षा को "धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों" के लिए खतरा मानते हैं। कई मुस्लिम लड़कियों को मुख्यधारा की शिक्षा के बजाय केवल धार्मिक शिक्षा तक सीमित रखा जाता है। भाषाई विभाजन कई मामलों में मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा को सीमित कर देता है। मुस्लिम समुदाय के कुछ हिस्से उर्दू माध्यम को प्राथमिकता देते हैं, जबकि सरकारी स्कूल हिंदी या अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्रदान करते हैं। जब हम मुस्लिम महिलाओं के शिक्षा की दशा और दिशा पर विमर्श करते है तो अक्सर यह संदर्भ उठता है कि एक धार्मिक समुदाय के रूप में इस्लाम के मौलिक सिद्धांतों और इसके पवित्र पुस्तकों में लड़कियों की शिक्षा को लेकर क्या विचार है तो हम पाते है कि इस्लाम में महिलाओं की शिक्षा को अनिवार्य और महत्वपूर्ण माना गया है। इस्लाम महिलाओं की शिक्षा को न केवल प्रोत्साहित करता है, बल्कि इसे अनिवार्य भी मानता है। कुरआन और हदीस में स्पष्ट रूप से शिक्षा के महत्व और ज्ञान प्राप्त करने के लिए पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार दिए गए हैं। इस संबंध में हदीस में वर्णन है कि पैगंबर मोहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) ने कहा है कि "ज्ञान प्राप्त करना हर मुस्लिम पुरुष और महिला पर फर्ज़ (अनिवार्य) है।" कुरआन में शिक्षा का महत्व को दर्शाने के लिए यह पर्याप्त है कि कुरआन का पहला शब्द है "इक़रा" (पढ़ो), जो ज्ञान प्राप्त करने के महत्व को दर्शाता है। कुरआन में ज्ञान और समझ को अल्लाह की महान कृपा माना गया है "क्या वे लोग जो जानते हैं और जो नहीं जानते, बराबर हो सकते हैं?" (सूरह अज-ज़ुमर, 39:9)। पैगंबर मोहम्मद ने महिलाओं को ज्ञान और धर्म के शिक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। पैगंबर की पत्नी आयशा (रज़ी अल्लाहु अन्हा) खुद एक विद्वान थीं और उन्होंने हजारों हदीसों का संग्रह किया। इस्लाम की वैचारिकी यह मानती है कि शिक्षा के माध्यम से महिलाएं धार्मिक ज्ञान अर्जित करती हैं, जो उन्हें इबादत के सही तरीकों और जीवन के इस्लामी आदर्शों को समझने में मदद करता है। मजहबी शिक्षा के साथ ही इस्लाम में आधुनिक शिक्षा और सामाजिक एवं नैतिक शिक्षा को भी प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, इस्लाम के शुरुआती वर्षों के दौरान, मुस्लिम महिलाएं पुरुषों के साथ -साथ स्कूलों और विश्वविद्यालयों में जाती थीं। बगदाद और काहिरा जैसे शहरों में, महिलाओं ने चिकित्सा, गणित और साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। शिक्षा को न केवल व्यक्तिगत लाभ के रूप में देखा जाता है, बल्कि सामाजिक कर्तव्य के रूप में भी देखा जाता है। इस्लाम में, महिलाओं को शिक्षित करना परिवार और समाज को बेहतर बनाने का एक साधन माना जाता है। ग़ौरतलब है कि सैद्धांतिक रूप से स्त्री-पुरुष की समान शिक्षा पर बल देने वाले मुस्लिम समाज में व्यावहारिक यथार्थ बिल्कुल अलहदा है। मुस्लिम लड़कियाँ धार्मिक सिद्धांतों से परिचालित होने के बजाय सामाजिक -सांस्कृतिक भ्रांतियों और रूढ़िगत मान्यताओं का शिकार होकर शिक्षा के मौलिक और मानवीय अधिकारों से वंचित रही है। भारत में मुस्लिम लड़कियों के सामने आने वाली शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं। सरकार और गैर सरकारी संगठनों को स्कूलों तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहाँ शिक्षा के बुनियादी ढाँचे की कमी है। इसमें लड़कियों के लिए स्कूल स्थापित करना, छात्रवृत्ति प्रदान करना और मुफ़्त शैक्षिक सामग्री प्रदान करना शामिल हो सकता है। लड़कियों की शिक्षा के महत्व के बारे में मुस्लिम समुदायों को शिक्षित करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान की आवश्यकता है।

इन अभियानों का नेतृत्व स्थानीय धार्मिक नेताओं, शिक्षकों और समुदाय के प्रभावशाली लोगों द्वारा किया जा सकता है जो गलत धारणाओं का मुकाबला कर सकते हैं और लड़कियों को शिक्षित करने के लाभों को उजागर कर सकते हैं। समुदाय के नेताओं और धार्मिक विद्वानों को लड़कियों की शिक्षा की वकालत करने में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। वे इस्लामी शिक्षाओं का उपयोग उन हानिकारक सांस्कृतिक मानदंडों को चुनौती देने के लिए कर सकते हैं जो लड़कियों को स्कूल जाने से रोकते हैं और परिवारों को अपनी बेटियों की शिक्षा का समर्थन करने के लिए सशक्त बनाते हैं। सरकार बाल विवाह के खिलाफ़ सख्त कानून लागू कर सकती है और लड़कियों को स्कूल में रखने के लिए परिवारों को प्रोत्साहित कर सकती है। छात्रवृत्ति और मुफ़्त शिक्षा जैसी गरीब परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली नीतियाँ मुस्लिम लड़कियों के बीच स्कूल छोड़ने की दर को कम करने में काफ़ी मददगार साबित हो सकती हैं।

जबकि भारत में मुस्लिम लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ये बाधाएँ दुर्गम नहीं हैं। इस्लाम, अपनी मूल शिक्षाओं में, महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा की वकालत करता है, और मुस्लिम समुदाय के भीतर शिक्षा के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने की आवश्यकता के बारे में बढ़ती मान्यता है। मदरसों और स्कूलों में धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ मुख्यधारा की शिक्षा को शामिल करना चाहिए। सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बाधाओं को दूर करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मुस्लिम लड़कियाँ पीछे न रहें और वे अपने परिवार, समुदाय और बड़े पैमाने पर समाज के विकास में योगदान दे सकें। सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाओं के बावजूद, मुस्लिम समुदायों को इस्लाम के सिद्धांतों का पालन करते हुए लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिक्षा एक सशक्त माध्यम है, जो महिलाओं को व्यक्तिगत, पारिवारिक, और सामुदायिक विकास में योगदान देने में सक्षम बनाती है। जब मुस्लिम लड़कियां शिक्षित होंगी, तो यह इस्लामी समाज को अधिक सशक्त और प्रगतिशील बनाएगा।

प्रो बंदिनी कुमारी, लेखिका समाज शास्त्र की प्रोफेसर हैं और उत्तर प्रदेश के डिग्री कॉलेज में कार्यकर्ता हैं.

भगवान विष्णु को क्यों कहा जाता है विट्ठल

त्रिदेव मे से एक भगवान विष्णु को सृष्टि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है. क्योंकि इन्होंने धरती और धर्म की रक्षा के लिए 10 अवतार लिए. इन अवतारों को दशावतार कहा जाता है. जिसमें से एक भगवान विष्णु का एक अवतार श्री हरी विठ्ठल है. खास तौर पर भगवान विष्णु को इस नाम से महाराष्ट्र और कर्नाटक में जाना जाता है. विठ्ठल को अक्सर 'विठोबा' के नाम से भी पुकारा जाता है. यहां भगवान विठ्ठल के कई मंदिर हैं. जहां पूरे भक्ति भाव से लोग भगवान विठ्ठल की पूजा करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान विष्णु को यह नाम कैसे मिला और क्या है इसकी कहानी आइए जानते हैं. कथा के अनुसार, एक बार देवी रुक्मिणी, भगवान विष्णु से किसी बात पर नाराज होकर द्वारका से चली गई. जिसके बाद भगवान विष्णु उन्हें ढूंढते हुए दिंडी वन पहुंचे, जहां उन्हें देवी रुक्मिणी मिलीं और उनका क्रोध शांत हुआ. उसी समय वहां एक आश्रम में भगवान विष्णु का भक्त रहता था, जिसका नाम था पुंडलिक. वह अपने माता-पिता की बहुत सेवा करता था. भगवान विष्णु, पुंडलिक की भक्ति से प्रसन्न होकर, देवी रुक्मिणी के साथ उसके आश्रम गए. लेकिन तब पुंडलिक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त था और ऐसे में जब श्रीहरि ने पुंडलिक से मिलने की बात कही तो पुंडलिक ने भगवान को थोड़ा इंतजार करने को कहा. पुंडलिक ने भगवान विष्णु के पास एक ईंट फेंककर कहा कि वह उस पर खड़े रहें और इंतजार करें. जिसके बाद भगवान ने अपने भक्त की बात मानी और ईंट पर खड़े होकर उसका इंतजार करने लगे.

शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग (सेक्स समस्या) पर सफल इलाज

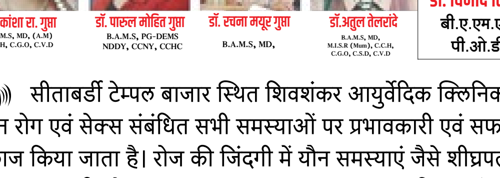

सीताबर्डी टेम्पल बाजार स्थित शिवशंकर आयुर्वेदिक क्लिनिक में यौन रोग एवं सेक्स संबंधित सभी समस्याओं पर प्रभावकारी एवं सफल इलाज किया जाता है। रोज की जिंदगी में यौन समस्याएं जैसे शीघ्रपतन बांझपन इत्यादि, के कारण सामाजिक एवं वैवाहिक जीवन में अनेक समस्याओं का सामना करना तथा वैवाहिक कलह, मनमुटाव आदी का भी सामना करना पडता है। अतः इन समस्याओं का शीघ्र समाधान होना आवश्यक है। रोज की भागदौड़ के जीवन में टेंशन, अनिद्रा इनक्षकारणों तथा खानपान में पोषक तत्वों के अभाव या असमय खाना पीना इन

कारणों से यह समस्या उत्पन्न होती है। इसका इलाज समोपचार औषधी चिकित्सा से संभव है। महाशक्ति कवच, रे-टोन सिरप, कप नाईट पावर इन दवाओं से इन समस्याओं का समाधान आयुर्वेदिक एजेंसी सिताबर्डी, टेम्पल बाजार रोड नागपुर में सफलतापूर्वक किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए 9112079000 / 8605245080 फोन पर संपर्क करे और आयुर्वेदिक चिकित्सा का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं का समाधान पाकर खुशहाल जीवन व्यतीत करे.

शिवशंकर आयुर्वेद एजन्सी

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में 9112079000 / 8605245080 इन दूरध्वनी क्रमांको पर संपर्क स्थापित करें.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

लापता चपरासी का शव मिला

वडधा. आरमोरी तहसिल के कुरंडीमाल ग्राम पंचायत के चपरासी अमृत सुखदेव सराटे (30, निवासी कुरंडीमाल) 16 नवंबर से लापता थे। तीन दिसंबर को उसका शव गांव के पास जंगल में एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि उसने फांसी लगाकर अपनी जीवन यात्रा समाप्त कर ली. अमृत सराटे 16 नवंबर की सुबह शौच के लिए घर से निकला था, लेकिन काफी देर बाद भी वह घर नहीं लौटा. तो परिवार के लोगों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिला। अंततः परिजन आरमोरी थाने पहुंचे और गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करायी. इसी बीच 3 तारीख को जब गांव का एक व्यक्ति जंगल में लकड़ी लाने गया तो उसने कोजबा के पेड़ से उसका शव लटकता हुआ देखा. इलाके में काफी दुर्गंध थी. मौके पर आरमोरी पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पोस्टमार्टम के लिए ग्रामीण अस्पताल भेजा. इस मामले में आरमोरी थाने में 'आकस्मिक मौत' का मामला दर्ज कीया गया.

देसाईगंज शहर में कुत्तों का आतंग

कुत्तों ने बच्ची को काटा, माता-पिता थाने पहुंचे और नगर निगम से की शिकायत

देसाईगंज. सोमवार को देसाईगंज-ब्रह्मपुरी रोड पर एक अंग्रेजी माध्यम स्कूल के पास इलाके में रूहानिका गेडाम नाम की 10 वर्षीय लड़की को कुत्तों ने काट लिया। इससे छोटे बच्चों के अभिभावकों में डर का माहौल है. उधर, चिंतित अभिभावकों ने इसकी शिकायत पुलिस और नगर परिषद प्रशासन से की है। देसाईगंज शहर में आवारा कुत्तों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. इसके अलावा कुछ ने तो अपने घर में दो से तीन कुत्ते भी पाल रखे हैं। इन कुत्तों की वजह से इलाके के निवासियों को काफी परेशानी हो रही है. आवारा और घरेलू कुत्तों के टीकाकरण की जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की है। लेकिन पीड़ित बच्ची की मां रश्मी गेडाम का आरोप है कि शहर में कुत्तों का टीकाकरण नहीं किया गया है. बच्ची को काटने वाला कुत्ता पालतू होने के कारण माता-पिता ने थाने और नगर निगम में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की।

3 पिस्तौल और 18 जिंदा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

राजुरा.

बल्लारशाह शहर में इस साल गोली कांड की वारदातों ने आम जनता को दहला दिया है. बढ़ता हुआ जुर्म और बढ़ती कोयला, रेत और शराब माफिया की धंधे पर अपना शिकंजा कसने की कोशिश में अक्सर बाहरी राज्यों से गैरकानूनी तरीके से अवैध हथियार को हासिल करने की होड लगी है. इसी हथियारों की होड को रोकने हेतु चंद्रपुर के पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन ने कड़े निर्देश देते हुए कारवाई के आदेश दिए. पुलिस भी पूरी तरह मुस्तैद होकर खबरी के जाल को एक्शन मोड में डाला. पुलिस के खबरियों ने पुलिस को गुप्त जानकारी देकर 3 पिस्तौल और 18 जिंदा कारतूस अपराधियों से बरामद किए. 4 दिसंबर को पुलिस के खुफिया ऑपरेशन के तहत पिस्तौल और 18 जिंदा कारतूसों के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली. पुलिस स्टेशन बल्लारपुर की सीमा में साईबाबा वार्ड बल्लारपुर और फुकटनगर बामनी ता. बल्लारपुर में मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी मुकेश उर्फ मुक्कू विश्वनाथ हलदर उम्र-28 वर्ष, अमित दिलीप चक्रवर्ती उम्र-34 वर्ष, दोनों अपराधी साईबाबा वार्ड बल्लारपुर के रहनेवाले है.

जिनके कब्जे से 1 देसी पिस्टल और 18 जिंदा कारतूस जब्त किये गये. दूसरी कारवाई में जितेंद्र सिंह उर्फ निक्कू गोविंद सिंह ढिल्लों उम्र-29 साल, निवासी शिवनगर वार्ड बल्लारपुर, संघर्ष उर्फ गोलू बंडू रामटेके उम्र-27 वर्ष निवासी. संतोषी माता वार्ड बल्लारपुर, कश्मीर सिंह महेंद्र सिंह बावरी उम्र-20 वर्ष फुकटनगर बामनी, बल्लारपुर के अपराधियों से 2 देसी बनावटी पिस्तौल पुलिस ने बरामद किए. सभी अपराधियों के खिलाफ पुलिस

स्टेशन बल्लारपुर में अपराध 1091/2024 धारा-3/25 आर्म्स एक्ट एवं अप.क्र. 1093/2024 धारा-3 /25 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर 4 नवंबर 2024 को सभी अपराधियों को हिरासत में लिया गया. पुलिस के आला अधिकारी अब जांच में पता लगाने की कोशिश कर रहे है कि, हथियार कहा से लाए है? हथियारों को अपराधी बेचने लाए है? या कोई बड़ी साजिश रची जा रही है? पुलिस छोटी से छोटी बात पर गंभीरता से विचार कर अपराध की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है. इस सफल कारवाई में पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीना जनबंधु, दीपक साखरे. उपविभागीय पुलिस अधिकारी राजुरा के मार्गदर्शन में पुलिस कांस्टेबल सुनील गाडे, सहायक पुलिस कांस्टेबल ए.एस. टोपले, पौपानी. हुसैन शाह, सहायक फौजदार आनंद परचाके, कांस्टेबल सुनील कामतकर, कांस्टेबल पुरूषोत्तम चिकाटे, कांस्टेबल. रणविजय ठाकुर, आरक्षक संतोष दांडेवार, पोहवा. संतोष पंडित, सत्यवान कोटनाके, विकास जुमनके, शरदचंद्र करुश, वशिष्ठ रंगारी, शेखर माथनकर, लखन चव्हाण, खंडेराव माने, मिलिंद अत्राम, भूषण टोंग, भास्कर चिचवलकर, अनीता नायडू और अन्य कर्मचारी ने भाग लिया.

दिव्यांगों को मिली सामग्री जिला परिषद समाज कल्याण विभाग की पहल

गढ़चिरोली. विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर जिला परिषद के समाज कल्याण विभाग ने विकलांगों को सामग्री वितरित की और सराहना की ताली भी बजाई. यह कार्यक्रम 3 दिसंबर को जिला योजना भवन में आयोजित किया गया था. कार्यक्रम की अध्यक्षता आरमोरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामदास मसराम ने की. इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव तथा न्यायाधीश आर. आर. पाटिल, जिला परिषद के अतिरिक्त सीईओ राजेंद्र भुयार, जिला सर्जन डॉ.माधुरी किलनाके, अतिरिक्त जिला शल्यचिकित्सक सतीश सालुंखे, जिला समाज कल्याण अधिकारी चेतन हिवंज, जिला पुनर्वास केंद्र संचालक अभिजीत राऊत आदि उपस्थित थे. गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विकलांग व्यक्तियों के लिए, यू, डी आईडी कार्ड, रेलवे रियायत प्रमाण पत्र, विभिन्न सामग्री एवं उपकरण तथा 5 प्रतिशत विकलांगता कल्याण निधि के तहत सामूहिक एवं व्यक्तिगत विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ वितरित किये गये। विधायक रामदास मसराम एवं न्यायाधीश आर. आर. पाटिल ने लाभार्थियों को चयन प्रमाण पत्र देकर उनका अभिनन्दन किया। इस अवसर पर दिव्यांग भाई साहित्य एवं प्रशंसा से अभिभूत हो गये. इस मौके पर जिला परिषद समाज कल्याण एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चावल मिल से निकलता धुंआ खतरनाक कार्रवाई का आह्वान

आरमोरी.

राइस मिल के पाइप से निकलने वाले धुएं और उससे निकलने वाली गर्म राख से शहर के लोग परेशान हैं. इसके अलावा इसका असर नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इसलिए चावल मिलों से होने वाले प्रदूषण को रोका जाए और उचित कार्रवाई की जाए। अन्यथा नागरिकों ने तहसीलदार एवं मुख्य दंडाधिकारी को दिये निवेदन में सांकेतिक भूख हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है. आरमोरी स्थित वार्ड नं. 4 गांव में स्थित जनता राइस मिल के पाइपों से निकलने वाला धुआं और गर्म राख कई वर्षों से हवा के माध्यम से फैल रहा है। सड़क से गुजरने वाले लोगों की आंखों में राख जाने से आंखों की बीमारियां बढ़ रही हैं। जैसे ही राख बाहर सूखने के लिए छोड़े गए कपड़ों या अन्य सामानों पर गिरती है, इसका असर उन सामग्रियों पर भी पड़ता है। आसपास के सभी इलाकों और घरों में राख की परत जमा हो रही है और लोगों को सांस लेने में दिक्कत के कारण अस्थमा और सांस की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है. बच्चों और छोटे बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इससे नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ने की आशंका है. उपस्थित राजू अंबानी, प्रेमनाथ बेहरे, विनोद बेहरे, अमर खरवाड़े, प्रकाश उपरीकर, हरिराम मतेरे, राजू हेमके, अनिल कोहाड़े, अनंत कालबांधे, गौरव खरवाड़े, राकेश बेहरे ने चेतावनी दी कि राइस मिल के खिलाफ कार्रवाई की जाये, अन्यथा आंदोलन होगा. सांकेतिक भूख हड़ताल.

गढ़चिरोली में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए

गढ़चिरोली. 4 दिसंबर सुबह 7:27 बजे तेलंगाना राज्य के मुलुगु में भूकंप आया. इसके हल्के झटके गढ़चिरोली जिले में महसूस किये गये हैं. इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 दर्ज की गई है. कलेक्टर संजय दैने ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और बिना घबराए इमारत के बाहर खुली जगह में सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

चंद्रपुर के गांधी चौक में शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण

चंद्रपुर.

भारतीय जनता पार्टी, चंद्रपुर विधानसभा क्षेत्र की ओर से नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी विधायक किशोर जोरग़ेवार के सौजन्य से गांधी चौक स्थित नगर निगम पटांगण में एलईडी स्क्रीन पर लाइव प्रसारण किया जाएगा. साथ ही इस मौके पर लड्डू बांटे जाएंगे और जश्न मनाया जाएगा. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के तौर पर देवेन्द्र फड़णवीस का नाम लगभग तय हो गया है।

वह आज मुंबई के आजाद मैदान में गोपनीयता की शपथ लेंगे. इस शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां चंद्रपुर में भी शुरू कर दी गई हैं और शपथ ग्रहण समारोह का सीधा प्रसारण शहर के गांधी चौक पर एलईडी स्क्रीन पर दिखाया जाएगा. इस मौके पर बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी और नागरिक मौजूद रहेंगे और जैसे ही देवेंद्र फड़नवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, बीजेपी कार्यकर्ता लड्डू बांटकर जश्न मनाएंगे. भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेशवासियों से इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

इतिहास के जानकार अशोक सिंह की मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात

चंद्रपुर. चंद्रपुर के नामचीन इतिहासकार अशोकसिंह ठाकुर ने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके निवास पर जाकर मुलाकात की और विग्रह राज चौहान की स्वर्ण मुद्रा पर भगवान राम की अंकन की गई मुद्रा पर चर्चा की. मुख्यमंत्री योगी ने मुद्रा को संग्रहालय में रखने के लिए स्वीकार किया. साथ में ये रविशंकर शर्मा ने मुख्यमंत्री योगी को राम जन्मभूमि का स्मारक और चांदी का सिक्का भेंट किया. इस अवसर पर राज्य के पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक राजा जयप्रताप सिंह एवं अशोकसिंह के मित्र रोहित राय विशेष रूप से उपस्थित थे.

पूज्य तुकडोजी महाराज की 56वीं पुण्य तिथि महोत्सव

चंद्रपुर. मानवता के पुजारी पूज्य राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का कार्य मानव कल्याण और भाईचारे के लिए था। महाराज ने भजन, कीर्तन व प्रवचन के माध्यम से समाज विकास, ग्राम विकास से राष्ट्र विकास का मंत्र दिया। पुण्य तिथि समारोह के अध्यक्ष हंसराज अहीर, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष ने अपने कथन में कहा कि, ऐसे महान राष्ट्रसंत के विचारों को जीवित रखने का कार्य गुरुदेव भक्तों के साथ-साथ समाज के सभी तत्वों ने अमल में लाना चाहिए. पूज्य तुकडोजी महाराज की 56वीं पुण्य तिथि महोत्सव को संबोधित करते हुए हंसराज अहीर ने चंद्रपुर जिले में वंदनीय राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के स्वतंत्रता संग्राम को याद किया. इस अवसर पर गुरुदेव सेवा मंडल के पदाधिकारी, गुरुदेव भक्त एवं शहर के सामाजिक, राजनीतिक एवं अन्य क्षेत्रों के गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

नर्सिंग कॉलेज में भव्य दीप प्रज्ज्वलन का हुआ आयोजन

चंद्रपुर.

स्पंदन शिक्षण मंडल के तहत मानवटकर नर्सिंग कॉलेज में एक भव्य दीप प्रज्ज्वलन समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह बी. एस सी. नर्सिंग एवं जी.एन. एम. प्रथम वर्ष के नर्सिंग छात्रों के लिए एक मील का पत्थर बना. सभी विद्यार्थियों ने नर्सिंग के पवित्र पेशे की शपथ ली। इस कार्यक्रम में चंद्रपुर की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उषा अरोड़ा उपस्थित थीं। अपने ओरिएंटेशन भाषण में उन्होंने छात्रों को नर्सिंग के क्षेत्र में समर्पण, करुणा और व्यावसायिकता के महत्व से अवगत कराया और उन्हें इन मूल्यों को दृढ़ता से बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में डॉ. स्पंदन शिक्षा मंडल और मानवटकर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की अध्यक्ष माधुरी मानवटकर ने अध्यक्षीय भाषण दिया। उन्होंने लैम प्रकाश समारोह के महत्व के बारे में विस्तार से बताया, जो ज्ञान, सेवा और करुणा का प्रतीक है। फ्लोरेंस नाइटिंगेल के काम पर आधारित यह समारोह नर्सिंग के मूल्यों को याद करता है। डॉ. मानवटकर ने छात्रों को खुद पर विश्वास करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने डॉ. स्पंदन शिक्षण मंडल के सचिव प्रकाश मानवटकर को संगठन की सफलता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया. डॉ. मानवटकर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्रिंसिपल पारुल ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने छात्रों को निरंतर सीखने और अनुशासित जीवन शैली का महत्व समझाया। कार्यक्रम का संचालन अब्दुल वसीम शेख ने बहुत अच्छे से किया। साथ ही कॉलेज की प्रोफेसर प्रिया आलम, सारिका पाटिल, नीतू सिंह और पायल देशमुख की कड़ी मेहनत से कार्यक्रम का सफल संचालन हुआ। कार्यक्रम के हर चरण में उनका संबंध समर्थन दिखा. कार्यक्रम में निम्नलिखित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही. डॉ. सीमा सिंह, निदेशक, शालिनीताई मेघे हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नागपुर. डॉ. सारिका बनाम. रोकड़े, प्राचार्य भाऊसाहेब मुलक नर्सिंग कॉलेज, नागपुर, अंसी रमेश, प्राचार्य, कस्तूरबा नर्सिंग कॉलेज, सेवाग्राम, डॉ. विजय रोकड़े, अध्यक्ष, टीएनएआई विदर्भ डिवीजन शाखा, नागपुर। कार्यक्रम में छात्रों ने दीप जलाकर नर्सिंग के क्षेत्र में सेवा, करुणा और वफादारी के लिए स्मृता को समर्पित करने के अपने संकल्प को दर्शाया। छात्र रोगी देखभाल और व्यावसायिकता के उच्च मानकों को बनाए रखने की प्रतिज्ञा करते हैं। कार्यक्रम का समापन उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद देकर किया गया। मानवटकर कॉलेज ऑफ नर्सिंग ने एक बार फिर कुशल और दयालु नर्सों को तैयार करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है।

नाबालिग लड़की से ज्यादती का मामला

आरोपी पुलिस सिपाही को भेजा गया पीसीआर में

गढ़चिरोली. नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किए गए पुलिस कांस्टेबल बंडू गेडाम (52 नवेगांव, गढ़चिरोली) को 6 दिसंबर यानी शुक्रवार तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है. 2 दिसंबर को पीड़िता के माता-पिता ने बंडू गेडाम के खिलाफ गढ़चिरोली पुलिस स्टेशन में नाबालिग लड़की के साथ यौन शोषण करने की शिकायत दर्ज कराई थी. गढ़चिरोली उपविभागीय पुलिस अधिकारी अजय जगताप मामले की जांच कर रहे हैं। जांच के बाद 2 दिसंबर की देर रात तक आरोपी बंडू गेडाम के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया. आरोपी को 3 दिसंबर को अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उसे 6 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इस मामले में आरोपी सिपाही का निलंबन अपरिहार्य माना जा रहा है.

रबी सीजन 2024 के तहत खाद्यान्न, दलहन फसलों की फसल प्रतियोगिता

चंद्रपुर.

फसल की उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसानों द्वारा तरह-तरह के प्रयोग किए जाते हैं और उत्पादकता बढ़ाई जाती है। यदि ऐसे प्रयोगात्मक किसानों को प्राप्त उत्पादकता के लिए प्रोत्साहन से पुरस्कृत किया जाता है, तो उनकी इच्छाशक्ति और मनोबल बढ़ेगा और उन्हें अधिक आशा के साथ नई और अद्यतन तकनीकों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही राज्य के अंदर फसल प्रतिस्पर्धा योजना इस उद्देश्य से क्रियान्वित की जा रही है कि क्षेत्र के अन्य किसानों का मार्गदर्शन कर वे राज्य के कुल उत्पादन में मूल्य संवर्धन करेंगे। रबी सीजन 2024 में भी तालुका, जिला और राज्य स्तर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसके अनुसार कृषि विभाग के माध्यम से रबी सीजन 2024 में सामान्य एवं जनजातीय समूहों के लिए पांच फसलों ज्वार, गेहूं, चना, करदई एवं जव के लिए फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। 1) रबी फसलें - ज्वार, गेहूं, चना, केसर और अलसी 2) पात्रता मानदंड प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए किसान के पास अपनी जमीन होनी चाहिए और वह जमीन का मालिक होना चाहिए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाला किसान एक समय में एक से अधिक फसल के लिए प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। फसल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले लाभार्थी को अपने खेत में उस फसल के अंतर्गत कम से कम 40 आर क्षेत्र में निरंतर खेती करनी होगी। 3) आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज. निर्धारित प्रपत्र में आवेदन निर्धारित प्रवेश शुल्क भुगतान की रसीद 7/12, 8-ए की प्रति, जाति प्रमाण पत्र फसल के लिए किसान द्वारा घोषित क्षेत्र का अंकन प्रतियोगिता संबंधित 7/12 मानचित्र बनाया गया. 4) आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि. रबी सीजन में फसल प्रतियोगिता के लिए आवेदन जमा करने की तिथि 31 दिसंबर 2024 है। 5)प्रतियोगिता के लिए प्रवेश शुल्क. फसल के अनुसार सामान्य समूह के लिए 300 रुपये और जनजातीय समूह के लिए 150 रुपये होगा. पुरस्कार का स्वरूप. तालुका स्तर पर प्रथम पुरस्कार 5 हजार रूपये, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 2 हजार रूपये। जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय 7 हजार और तृतीय 5 हजार रुपये है जबकि राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार 50 हजार, द्वितीय 40 हजार और तृतीय पुरस्कार 30 हजार रुपये है। यहां संपर्क करें. फसल प्रतियोगिता के बारे में अधिक जानकारी के लिए संबंधित तालुका कृषि अधिकारी कार्यालय से संपर्क करें। साथ ही महाराष्ट्र सरकार कृषि विभाग की वेबसाइट www.krishi.maharashtra.gov.in पर भी जाएं। उपरोक्त फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन को बढ़ाने हेतु कृषि विभाग के माध्यम से अधिक से अधिक कृषकों से फसल प्रतियोगिता में भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

बैंक की भर्ती प्रक्रिया जारी रखने का आदेश

चंद्रपुर, सुनील तायडे. उच्च न्यायालय ने चंद्रपुर जिला बैंक की भर्ती प्रक्रिया में राजनीतिक हस्तक्षेप पर फटकार लगाते हुए अदालती मामले का निपटारा किया और भर्ती प्रक्रिया जारी रखने का निर्देश दिया. इसके बाद जिला बैंक प्रशासन ने बताया कि हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ के निर्देशानुसार जिला बैंक की भर्ती प्रक्रिया बहाल की जायेगी. सहकारिता विभाग से भर्ती के सभी मापदंडों की जांच के बाद 17 फरवरी 2022 को बैंक को 360 सीटों की अनुमति मिल गई. बैंक ने भर्ती को लेकर बिना किसी जल्दबाजी के अप्रैल, मई 2022 को भर्ती प्रक्रिया शुरू की. लेकिन इस भर्ती प्रक्रिया में सत्ता के दुरुपयोग के कारण बैंक की भर्ती को चार बार स्थगित किया गया. मार्च 2024 में फिर से सहकारी आयुक्त पुणे ने बैंक को भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिए सूचित किया. तदनुसार, बैंक ने भर्ती प्रक्रिया

को पूरा करने के लिए सरकारी मान्यता एजेंसी से निविदाएं मंगवाकर भर्ती प्रक्रिया शुरू की और बैंक को 31156 उम्मीदवारों के आवेदन प्राप्त हुए. इसके मुताबिक परीक्षा 16 और 17 नवंबर को होनी थी. लेकिन जब भर्ती नियमानुसार चल रही थी तो राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण इसे एक बार फिर स्थगित कर दिया गया. मुख्य रूप से मुख्यमंत्री ने उस समय स्थगन भी दिया था. हाईकोर्ट बॉम्बे बेंच, नागपुर ने सरकार और कोर्ट से इस पूरे स्थगन और इससे हुई परेशानी पर आगे बढ़ने के लिए कहा कि क्या राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को अपनी अधिकार प्रणाली के संबंध में कानून के अनुसार कार्य करने का अधिकार है?

अमलानाला मनोरंजन केंद्र और पर्यटन विकास केंद्र पर ठेकेदार की मनमानी

राजुरा. महाराष्ट्र सरकार के जल संसाधन विभाग के माध्यम से अमलनाला परियोजना में पर्यटन विकास कार्यक्रम के तहत मनोरंजन केंद्र और पर्यटन विकास का भूमिपूजन समारोह 2 जुलाई 2021 को पूरा हुआ. इस क्षेत्र के प्राकृतिक वन संसाधनों, अमलानाला तालाब और नागरिकों और अन्य पर्यटकों के मनोरंजन के लिए खनिज विकास निधि के तहत लगभग सात करोड़ रुपये खर्च करके इस उद्यान का

निर्माण किया गया था.

इस गार्डन का सौंदर्यीकरण अभी भी जारी है. नागरिकों को 20 रुपये का प्रवेश शुल्क देकर इस उद्यान में प्रवेश करने की अनुमति है. लेकिन पिछले सप्ताह से प्रवेश शुल्क रसीद मशीन खराब होने के कारण प्रवेश शुल्क की राशि मैन्युअल रूप से केवल प्रिंटआउट लेकर एकत्र की जा रही है. जिससे पैसों की हेराफेरी की पूरी आशंका है.. यहां के शौचालय का काम खराब है और दरवाजा पूरा नहीं खुलता, जिससे पर्यटकों को काफी परेशानी होती है. वहां भारी मात्रा में कूड़ा है और हर जगह कूड़ादान भी नहीं है. इस पूरे गड़बड़ी मामले को सिंचाई विभाग के अधिकारी नजरअंदाज कर रहे हैं.

मुंबई में 24 करोड़ की मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त

2 करोड़ कैश भी जब्त किया गया

मुंबई.

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने हैदराबाद से मुंबई पहुंचे 16 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) को जब्त करने में सफलता हासिल की है। डीआरआई ने बताया कि जब्त एमडी की कीमत 24 करोड़ रुपये है. इस कार्रवाई में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया. डीआरआई को सूचना मिली थी कि दो यात्री हैदराबाद से मुंबई नशीले पदार्थों का जखीरा लेकर जा रहे हैं। उस सूचना के आधार पर डीआरए ने मंगलवार को संबंधित बस पर निगरानी रखी. संदिग्ध यात्रियों के बस से बाहर निकलने के बाद उन्हें तुरंत हिरासत में लिया गया और तलाशी ली गई. जांच के दौरान उनके बैग से सफेद पदार्थ मिला। जांच में पता चला कि वह एमडी है। जांच के बाद आरोपी के पास से 16 किलो एमडी जब्त की गई. मध्यस्थ और उसके साथी को मुंबई में आरोपियों से मिलना था। पूछताछ में पता चला कि एमडी के पैकेट उन्हें सौंपे जाने थे। इस कार्रवाई के बाद डीआरआई ने अन्य आरोपियों की तलाश की और मध्यस्थ और एमडी लेने आए तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया.

इसके अलावा उनके पास से 1 करोड़ 93 लाख रुपये की नकद राशि भी बरामद की गई. इस मामले में सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनके खिलाफ मादक द्रव्य नियंत्रण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. एमडी भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली दवा है। 2010 के दौरान एमडी की बिक्री में भारी वृद्धि हुई। लेकिन इसे भारत में प्रतिबंधित घोषित नहीं किया गया. इसके चलते पुलिस के लिए कार्रवाई करना मुश्किल हो गया। इसलिए पुलिस ने एमडी विक्रेताओं के खिलाफ आईपीसी की धारा 328 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी. धारा 328 का मतलब है जहरीले तरल पदार्थ की आपूर्ति या बिक्री. इसलिए विक्रेताओं के खिलाफ अस्थाई कार्रवाई की जा रही है। लेकिन कोर्ट में अपराध साबित नहीं हुआ. आख़िरकार 2014-15 के दौरान एंटी-नारकोटिक्स टीम में एमडी को एक दवा घोषित करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया गया।

मेफेड्रोन (एमडी) कारखानों का भंडाफोड़

❐ केंद्र सरकार को भेजा गया था. बाद में इसे फरवरी 2015 में एमडी नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट के तहत एक मादक पदार्थ घोषित कर दिया गया। पिछले दो वर्षों में मुंबई पुलिस द्वारा सात से अधिक मेफेड्रोन (एमडी) कारखानों का भंडाफोड़ किया गया है। इस साल एमडी पुलिस ने विभिन्न अभियानों में सबसे ज्यादा 450 करोड़ रुपये जब्त किये. एक महत्वपूर्ण बात यह है कि एमडी के अधिकांश उपयोगकर्ता कॉलेज के युवा हैं।

देशभर में 8 महीनों में हुए 29 ट्रेन हादसे

> केंद्र सरकार ने बताई ये वजह

नई दिल्ली.

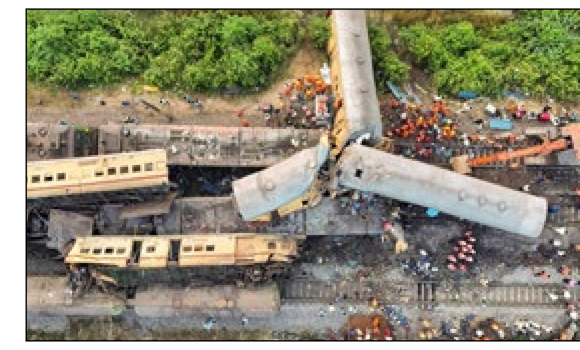

देशभर में पिछले आठ महीनों में 29 ट्रेन हादसे हुए हैं. ये बाद मंगलवार को रेलमंत्री अश्विनी वैश्णव ने राज्यसभा में बताई गई. जिसमें कहा गया कि चालू वित्तीय वर्ष में 26 नवंबर तक उपकरणों की विफलता और तोड़फोड़ सहित अन्य कारणों से कुल 29 ट्रेन हादसे हुए हैं. जिनमें 17 लोगों की मौत हुई है. जबकि 71 लोग घायल हुए हैं. संसद के उच्च सदन राज्यसभा में 29 नवंबर को एक लिखित उत्तर में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हादसों का विवरण दिया. उन्होंने दुर्घटनाओं को महीनों के क्रम में बताया. रेल मंत्री ने ये सभी जानकारियां द्रमुक सांसद कनिमोझी द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में दी. जिसमें उन्होंने पिछले वर्ष के दौरान मालगाड़ियों सहित रेल दुर्घटनाओं की संख्या और कारणों के बारे में बताया. बता दें कि द्रमुक सांसद कनिमोझी ने ऐसी दुर्घटनाओं के कारणों की जांच के लिए नियुक्त समितियों की संख्या, जांच समितियों के निष्कर्ष और उस पर की गई कार्रवाई और पीड़ितों को सरकार द्वारा भुगतान की गई मुआवजे की राशि के बारे में भी जानकारी मांगी थी. राज्यसभा में अपने जवाब में रेलमंत्री वैष्णव ने कहा कि, पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप, दुर्घटनाओं की संख्या में भारी गिरावट आई है. जिसके चलते ट्रेन दुर्घटनाएं 2014-15 में 135 से घटकर 2023-24 में 40 हो गई हैं. उन्होंने आगे कहा कि, यह ध्यान दिया जा सकता है कि 2004-14 के दौरान कुल 1,711 ट्रेन हादसे हुए.

व्हाट्सऐप पर कर सकेंगे सड़कों के गड्ढों की शिकायत

नासिक.

शहर की सड़कें बदहाल हालत में हैं जिससे आए दिन यहां के लोगों के परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जगह-जगह सड़कों पर गड्ढे बने हुए हैं जो सड़क दुर्घनाओं का कारण भी बन रहे हैं। बदहाल सड़कों के कारण न केवल वाहन चालकों को परेशानी होती है बल्कि पैदल चलने वाले भी सुरक्षित महसूस नहीं करते। सड़क पर बने गड्ढों से धूल की समस्या भी पैदा हो गई है जिससे दोपहिया वाहन और पैदल चलने वालों को खासी परेशानी होती है।

ऐसे में अब इन समस्याओं से निपटने के लिए और शहर के लोगों की सुविधा के लिए मनपा ने खास पहल की है। मनपा ने नागरिकों को गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत करने के लिए एक मंच प्रदान किया है। इसके जरिए नागरिक अब मनपा की वेबसाइट, व्हाट्सऐप नंबर या सीधे अधिकारियों से संपर्क करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं। मनपा आयुक्त डॉ. अशोक करंजकर ने निर्माण विभाग को मिलने वाली इन शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। नतीजतन मनपा ने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और गड्ढों को भरने के लिए कदम उठाए हैं। शहर की सड़कों पर गड्ढों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या एक बड़ी चिंता का विषय बन गई है। हाल ही में अडगांव इलाके में गड्ढों के कारण एक महिला की जान चली गई थी। ऐसी घटनाओं के सामने आने से मनपा ने गड्ढों और क्षतिग्रस्त सड़कों को लेकर गंभीर रुख अपनाया है और समस्या से निपटने के लिए शिकायतें प्राप्त करने और कार्रवाई करने की व्यवस्था स्थापित की है।

मध्य रेलवे महापरिनिर्वाण दिवस की तैयारी में जुटा

यात्रियों की सुविधा के लिए चलेंगी अतिरिक्त ट्रेनें

मुंबई. मध्य रेल ने महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर मुंबई आने वाले अनुयायियों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए कई सारी तैयारियां की है। बता दें कि 6 दिसंबर को राज्य और देश भर से बाबासाहब के लाखों अनुयायी उन्हें दादर स्थित चैत्य भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचते हैं। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ की स्थिति से बचने के लिए मध्य रेल ने खास तैयारियां की हैं। महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर यात्रियों की उमड़ने वाली भीड़ को लेकर मध्य रेलवे 4 दिसंबर से 8 दिसंबर तक के बीच 16 मेल एक्सप्रेस चला रहा है। इसके साथ ही 5 और 6 दिसंबर की मध्य रात्रि सबर्बन लाइन पर 12 एक्स्ट्रा लोकल ट्रेन चलाने की भी योजना बनाई गई है। हालांकि इस योजना में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका टीसी, आरपीएफ और जीआरपी निभाएंगे। साथ ही अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए चैत्य भूमि पर दो यूटीएस-सह-पूछताछ काउंटर खोले जाएंगे। दादर में सेंट्रल और वेस्टर्न लाइन के बीच उपलब्ध जगह के पास और सीएसएमटी में प्लेटफार्म नंबर 7 और 8 के बीच होल्डिंग एरिया बनाया गया है। भीड़ प्रबंधन के लिए दादर में अलग से प्रवेश और निकास की योजना भी बनाई जाएगी। दादर में भीड़ के सुचारू आवागमन के लिए मध्य पुल और बीएमसी पुल पर बैरिकेडिंग की गई है।

अतिरिक्त सुरक्षा बल रहेगा तैनात

❐ यात्रियों की सुविधा के लिए दादर, सीएसएमटी और कल्याण में टिकट चेकिंग स्टाफ, आरपीएफ और जीआरपी द्वारा चौबीसों घंटे संचालित होने वाला हेल्प डेस्क खोला जाएगा। इसके साथ ही किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुल 675 टिकट जांच कर्मचारी भी तैनात किए गए हैं। कर्मचारियों की तैनाती के अलावा 2 शिफ्टों में काम करने वाले अतिरिक्त 190 आरपीएफ और 330 जीआरपी कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

देश में 59 हजार व्हाट्सऐप अकाउंट होंगे बंद

नई दिल्ली.

गृह मंत्रालय की शाखा इंडियन साइबर क्राइम कोओर्डिनेशन सेंटर ने डिजिटल धोखाधड़ी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 1,700 से अधिक स्काइप आईडी और 59 हजार व्हाट्सऐप अकाउंट्स की पहचान कर उन्हें ब्लॉक कर दिया है. यह जानकारी मंगलवार को लोकसभा में दी गई है. केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने यह भी कहा कि 2021 में 4सी के तहत शुरू की गई 'नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली' धोखेबाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग को सक्षम बनाती है और अब तक 9.94 लाख से अधिक शिकायतों में 3,431 करोड़ से अधिक की बचत की गई है. एक लिखित सवाल के जवाब में कुमार ने कहा,आई4सी ने 1700 से अधिक स्काइप आईडी और 59 हजार व्हाट्सऐप अकाउंट को ब्लॉक किया है, जिनका इस्तेमाल डिजिटल फ्रॉड के लिए किया जा रहा है." पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 15 नवंबर 2024 तक सरकार द्वारा 6.69 लाख से अधिक सिम कार्ड और 1.32 लाख आईएनईआई ब्लॉक कर दिए गए हैं. मंत्री ने आगे बताया कि डिजिटल धोखाधड़ी समेत साइबर अपराधों से निपटने के लिए तंत्र को मजबूत करने के लिए, केंद्र सरकार और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) ने आने वाली अंतरराष्ट्रीय स्पूफ्ड कॉल्स की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक प्रणाली विकसित की है, जो भारतीय मोबाइल नंबर दिखाती हैं, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि वो भारत में उत्पन्न हुई हैं.

अंतरिक्ष में 'फंसीं' सुनीता विलियम्स बन गईं किसान

वॉशिंगटन.

भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में तरह-तरह के एक्सपेरिमेंट्स कर रही हैं। अब वह माइक्रोग्रेविटी में कुछ ऐसी चीज उगा रही हैं, जिसे जानकर हैरान रह जाएंगे। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर की कमांडर सुनीता अब वहां लेट्यूस (सालाद के पत्ते) को उगा रही हैं। यह उनके तमाम प्रयोगों में से एक प्रयोग है। एक तरह से सुनीता विलियम्स अंतरिक्ष में किसान की भूमिका निभा रहीं। सुनीता और विल्मोर बुच जून के पहले हफ्ते से अंतरिक्ष में 'फंसे' हुए हैं। दोनों हफ्तेभर के लिए ही स्पेस स्टेशन गए थे, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से दोनों का यह मिशन लंबा खिंच गया। अब स्पेसएक्स क्रू-9 की मदद से दोनों की वापसी अगले साल फरवरी में होगी।

इस बीच दोनों एस्ट्रोनॉट्स स्पेस स्टेशन में तरह-तरह के काम को अंजाम दे रहे हैं, जिसका फायदा वैज्ञानिकों को भविष्य में हो सकता है। स्पेस में लेट्यूस उगाने के पीछे यह पता करने का उद्देश्य है कि माइक्रोग्रेविटी में सब्जियां कैसे उगती हैं। साथ ही, अलग-अलग पानी की मात्रा में पौधे की बढ़ोतरी कैसे प्रभावित होती है। यह भविष्य में अंतरिक्ष में कृषि को लेकर काम आ सकता है। नासा के मुताबिक, सुनीता विलियम्स ने अपनी दिन की शुरुआत एडवांस्ड प्लांट हैबिटेट के ऑपरेशन को तैयार करने से की है। उन्होंने प्लांट हैबिटेट-07, जोकि लेट्यूस पौधों का काम करेगा, से पहले जलाशय से पानी इकट्ठा किया।

पानी की टंकी में डूबने से 2 बच्चों की मौत

नंदुरबार.

नंदुरबार शहर से एक दुखद घटना सामने आई है। यहां के जगतापवाडी इलाके के द्वारका नगर में एक घर के निर्माण स्थल पर दो बच्चों की पानी की टंकी में डूबने से मौत हो गई। ये बच्चे वहां काम करने वाले एक मजदूर के थे, जो घर के निर्माण का कार्य कर रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से दोनों बच्चों के शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस दुखद घटनाक्रम के अनुसार ये दोनों बच्चे मंगलवार की सुबह से लापता थे। बच्चों का कहीं पता न लगने के बाद उनके परिजनों ने पास के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शहर भर में बच्चों की तलाश की लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। इसके बाद आज बुधवार सुबह घर के निर्माण स्थल पर ही एक पानी के टैंक में दोनों बच्चों के शव उतराते मिले। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक श्रावण दत्त एस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों बच्चों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए नंदुरबार जिला अस्पताल भेज दिए गए हैं। घटना के बाद मृतक बच्चों के माता-पिता का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है।

बच्चों के परिजनों ने बताया कि बीते मंगलवार को दोपहर में जब बच्चे घर में नहीं मिले, तो उन्होंने आसपास के इलाके में उनकी तलाश शुरू की। जब बच्चों का कहीं पता नहीं चला तो उन्होंने नंदुरबार शहर पुलिस स्टेशन में बच्चों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद नंदुरबार शहर पुलिस स्टेशन और स्थानीय अपराध अन्वेषण शाखा के पुलिसकर्मियों ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच करते हुए बच्चों की तलाश शुरू की। पुलिस ने बताया कि नंदुरबार शहर के द्वारका नगर इलाके में चल रहे निर्माण कार्यों में शिरपुर तहसील के मजदूर काम कर रहे हैं। यहां चंद्रसिंह पावरा भी अपने परिवार के साथ रोजगार की तलाश में आया था। पावरा परिवार ने निर्माण स्थल के पास ही एक झोपड़ी बनाकर रहना शुरू किया था। पुलिस के मुताबिक संभवत: दोनों बच्चे राजेश्वरी और शंकर मंगलवार को ही खेलते समय पानी के टैंक में गिर गए जिससे उनकी मौत हो गई।

72 साल के बुजुर्ग की हत्या

मुंबई. रायगढ़ जिले के श्रीवर्धन तहसील से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां एक महिला ने शादी का वादा कर 72 साल के बुजुर्ग की हत्या कर दी है. इस मामले में आरोपी महिला और उसके पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इस मामले में मृतक रामदास खैरे ने महिला को कुछ गहने और कीमती सामान दिए थे. मृत बूढ़े व्यक्ति ने इन गहनों और क़ीमती सामानों को वापस करने की मांग की क्योंकि उसने शादी करने से इनकार कर दिया था। पुलिस ने बताया कि गुस्साई महिला ने बुजुर्ग की हत्या कर दी. मृतक रामदास खैरे, एक बैंक कर्मचारी थे, सेवानिवृत्ति के बाद श्रीवर्धन तालुका में अपने पैतृक गांव चले गए थे। रविवार को खैरे के परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया और कहा कि वह कई दिनों से फोन नहीं उठा रहा है. जब पुलिस खैरे के घर पहुंची तो उसे मृत पाया। पुलिस ने बताया कि उस वक्त उनके सिर समेत शरीर पर चोटें पाई गई थीं। मामले की जांच शुरू करने पर पुलिस को पता चला कि खैरे और आरोपी महिला पिछले एक साल से साथ रह रहे थे. पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि जब खैरे की हत्या हुई तब आरोपी महिला और उसका पति हर्षल अंकुश इलाके में ही थे. इसके बाद रायगढ़ पुलिस ने आरोपी महिला और उसके पति को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक मृतक रामदास खैरे की पहली पत्नी की मौत 2012 में हो गई थी. इसके बाद उन्होंने अपने बच्चों से पूछा और दूसरी शादी कर ली.

बच्चों की सुरक्षा के तहत मामला दर्ज

मुंबई. भोईवाड़ा पुलिस ने मंगलवार को परल में केईएम अस्पताल से सटे फुटपाथ पर एक साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत करने वाले 27 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी के खिलाफ बच्चों की सुरक्षा के तहत मामला दर्ज किया गया है यौन अपराध अधिनियम। जब पीड़िता फुटपाथ पर सो रही थी तो आरोपी वहां आया और उसके साथ अश्लील हरकतें करने लगा. पीड़िता की मां को इसकी जानकारी मिलने के बाद उन्होंने भोईवाड़ा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. तदनुसार, पुलिस ने तुरंत भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 74 और पोक्सो अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने मंगलवार को आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी भी फुटपाथ पर रहता है और उसका नाम संतोष विष्णु गौतम (27) है। वह पुणे के मूल निवासी हैं। भोईवाड़ा पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

मस्क को नई सैलरी देने से कोर्ट ने लगाई रोक

वॉशिंगटन. दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क इन दिनों अपनी सैलरी पाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। डेलावेयर की एक अदालत ने एक बार फिर टेस्ला के सीईओ के 101.4 अरब डॉलर के सैलरी पैकेज को खारिज कर दिया है। आपको बता दें कि यह पैकेज 2018 में तय हुआ था। टेस्ला के स्टॉक की जबरदस्त बढ़त के चलते इसकी वैल्यू कई गुना बढ़ गई। कोर्ट के फैसले के बाद एलन मस्क को इस पे पैकेज तक पहुंचने से रोक दिया गया है। चांसलर कैथलीन एसजे मैककॉर्मिक ने अपने 103 पन्नों के निर्णय में कहा कि टेस्ला के बोर्ड ने 2018 में यह पैकेज एलन मस्क के प्रभाव में आकर मंजूर किया गया था। उन्होंने टेस्ला की कानूनी टीम के तर्कों को खारिज करते हुए उन्हें त्रुटिपूर्ण और कानून गलत बताया। उन्होंने कहा, "बोर्ड के पास एलन मस्क को उचित वेतन देने के कई विकल्प थे, लेकिन उन्होंने मस्क की शर्तों के आगे झुकने का फैसला किया।"

पहाड़ों पर ठंड हुई प्रचंड

नई दिल्ली. दिसंबर के आते ही ठंड ने भी अपने रंग दिखाना शुरू कर दिए हैं। दिल्ली-यूपी में ठंड हल्की है लेकिन पहाड़ों पर तापमान एक डिग्री तक चला गया है। कश्मीर के कुछ हिस्सों में सुबह घना कोहरा छाया रहा और कई स्थानों पर पारा जमाव बिंदु से नीचे चला गया। भारी कोहरे के कारण दिन निकलते ही श्रीनगर और कश्मीर के कुछ अन्य स्थानों पर दृश्यता 50 मीटर से नीचे गिर गई। वहीं हिमाचल के रोहतांग, कुंजम में बर्फबारी के कारण आवाजाही रोकनी पड़ी। आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली एनसीआर समेत यूपी में ठंड बढ़ेगी। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 1.3 डिग्री दर्ज किया गया। स्कीइंग के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थल गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 2.6 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दक्षिण कश्मीर में पहलगाम माइनस 0.3 डिग्री सेल्सियस नीचे गर्म रहा।

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातकों के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने फिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्ज लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

'किसानों से किया वादा क्यों नहीं निभाया'

कृषि मंत्री से उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का सवाल

नई दिल्ली.

किसानों के प्रति केंद्र सरकार के रवैये पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने मंगलवार को कृषि मंत्री से सवाल किया कि आखिर किसानों से जो लिखित वादे किए गए थे, उन्हें क्यों नहीं निभाया गया. उपराष्ट्रपति का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं, 'कृषि मंत्री जी, एक-एक पल भारी है. मेरा आपसे आग्रह है कि कृपया करके मुझे बताएं , क्या किसान से वादा किया गया था? किया गया वादा क्यों नहीं निभाया गया, वादा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? एक कार्यक्रम में बोलते हुए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि किसान से वार्ता क्यों नहीं हो रही है. हम किसान को पुरस्कृत करने की बजाय, उसका सही हक भी नहीं दे रहे हैं. धनखड़ ने कहा, 'पिछले साल भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है. कालचक्र घूम रहा है, हम कुछ कर नहीं रहे हैं. पहली बार मैंने भारत को बदलते हुए देखा है. पहली बार मैं महसूस कर रहा हूं कि विकसित भारत हमारा सपना नहीं लक्ष्य है. दुनिया में भारत कभी इतनी बुलंदी पर नहीं था. जब ऐसा हो रहा है तो मेरा किसान परेशान और पीड़ित क्यों है? किसान अकेला है जो असहाय है.' धनखड़ ने कहा, 'ये समय मेरे लिए कष्टदायक है क्योंकि मैं राष्ट्र धर्म से ओतप्रोत हूं. पहली बार मैंने भारत को बदलते हुए देखा है. पहली बार मैं महसूस कर रहा हूं कि विकसित भारत हमारा सपना नहीं है बल्कि लक्ष्य है. दुनिया में भारत कभी इतनी बुलंदी पर नहीं था, दुनिया में हमारी साख पहले कभी इतनी नहीं थी, भारत का प्रधानमंत्री आज विश्व के शीर्ष नेताओं में गिना जाता है, जब ऐसा है तो फिर मेरा किसान परेशान क्यों है? ये बहुत गहराई का मुद्दा है.

कार्यालय नगरपरिषद कन्हान पिपरी,
कन्हान तहसील पारशिवनी, जिल्हा नागपुर 441401

जा.क्रमांक/नपकपि/स्व.वि/मुअ. 2287/2024 — दिनांक: 04/12/2024

Ph: 07102 236189 — E-mail: kanhanpiprinagarparishad@gmail.com

पाणी पुरवठा व स्वच्छता विभाग निविदा सूचना क्र. 2024-25

मुख्याधिकारी नगर परिषद कन्हान पिपरी ता. पारशिवनी जी. नागपूर यांचेकडून शासनमान्य नोंदणीकृत व पात्र संस्थेद्वारे द्वी लिफाफा पद्धतीने १) न.प मालकीचे मोटरपंप दुरुस्ती करणे २) न.प मालकीचे एकूण ०६ ई-रिक्षा दुरुस्ती करणे ३) क्षमता बांधणी प्रशिक्षण करणे व इतर स्वतासेच इतर आवश्यक कामे करण्याकरिता दिनांक १०/११/२०२४ पर्यंत निविदा मागविण्यात येत आहे. या निविदेच्या पूर्व अहर्ता अटी व सविस्तर निविदा सूचना नगर परिषद कार्यालय येथे पाहण्यास उपलब्ध आहे.

दिनांक: 05/12/2024

मुख्याधिकारी
नगर परिषद कन्हान-पिपरी

पहाड़िया परिवार की बहू बनेंगी जाह्नवी कपूर ?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं. इन फोटोज में उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया भी नजर आए, जो बोनी कपूर के बगल में बैठे हुए देखे गए. लंबे समय से चर्चा है कि शिखर-जाह्नवी एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. फैंस को जाह्नवी और शिखर की जोड़ी इतनी पसंद आ रही है कि वे दोनों को शादी करने की सलाह देने लगे. अगर जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया से शादी करती हैं, तो वह एक राजनीतिक घराने की बहू बनेंगी. क्योंकि शिखर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम सुशील कुमार शिंदे के नाती हैं.

जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर परिवार और शिखर के साथ दिवाली की कई खास तस्वीरें शेयर कीं. फैंस ने इन तस्वीरों में देखा कि जाह्नवी ने यह त्योहार अपने पिता बोनी कपूर, बहन खुशी कपूर और शिखर पहाड़िया के साथ मनाया. खासतौर पर शिखर और बोनी कपूर के बीच की बॉन्डिंग ने लोगों का ध्यान खींचा. जाह्नवी और शिखर के रिलेशनशिप की खबरें लंबे समय से चर्चा में हैं. यदि दोनों शादी करते हैं, तो जाह्नवी एक राजनीतिक परिवार की बहू बनेंगी. शिखर पहाड़िया के परिवार का महाराष्ट्र की राजनीति में गहरा संबंध है. उनकी मां स्मृति संजय पहाड़िया, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे की बेटी हैं. शिखर सुशील कुमार शिंदे के नाती हैं, और जाह्नवी के साथ उनका रिश्ता परिवार में ख़ास स्थान रखता है.

20 साल से बहन के संपर्क में नहीं है नरगिस

'रॉकस्टार' एक्ट्रेस नरगिस फाखरी की बहन आलिया फाखरी कानूनी पचड़े में फंस गई है. मीडिया रिपोर्ट्र्स के मुताबिक, नरगिस फाखरी की बहन आलिया फाखरी को उनके 35 वर्षीय एक्स बॉयफ्रेंड एडवर्ड जैकब्स और उसके दोस्त अनास्तासिया एटियेन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.

फिलहाल इस मामले में नरगिस का कोई भी अब तक बयान सामने नहीं आया है. रिपोर्ट की मानें तो एक्ट्रेस अपनी बहन से लगभग 20 साल से संपर्क में नहीं है.रिपोर्ट्स के मुताबिक, नरगिस की बहन को अगर दोषी पाया जाता है तो उन्हें आजीवन कारावास की सजा हो सकती है. उन्हें 9 दिसंबर को फिर से अदालत में पेश होना होगा.

वहीं एक्ट्रेस की मां ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह किसी की हत्या करेगी. वह एक ऐसी इंसान थी जो सभी का ख्याल रखती थी. उसने सभी की मदद करने की कोशिश की'.जैकब्स ने लगभग एक साल पहले आलिया से रिश्ता तोड़ लिया था, लेकिन आलिया फिर भी उनसे शादी करने की कोशिश करती रही. न्यूयॉर्क पोस्ट ने जैकब्स की मां के हवाले से लिखा है.

अभिषेक को देखते ही करीना ने बनाए टेढ़े-मेढ़े मुंह

हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. जिसमें करीना कपूर और अभिषेक बच्चन नजर आ रहे है. दोनों को एक अवॉर्ड फंक्शन में स्पॉट किया गया था. कई सालों बाद दोनों का रीयूनियन फैंस को देखने को मिला था. वीडियो पर यूजर कई प्रतिक्रिया दे रहे है. हालांकि कई सालों से दोनों ने कोई फिल्म साथ में नहीं की.

इस अवॉर्ड फंक्शन में अभिषेक बच्चन ने करीना को अवॉर्ड दिया. इस अवॉर्ड फंक्शन में जब करीना स्टेज पर अवॉर्ड लेने के लिए जाती है, तो एक्टर उनकी तरफ हाथ बढ़ाकर उनकी मदद करते है. जिसके बाद अभिषेक, करीना को बधाई देते है. लेकिन, जैसे ही विजय वर्मा को बधाई देने के लिए आगे बढ़े, करीना अलग-अलग रिएक्शन देने शुरु कर देती है.

दोनों ने जेपी दत्ता की फिल्म 'रिफ्यूजी' से अपने करियर की शुरुआत 24 साल पहले साल 2000 में की थी. दोनों की जोड़ी भी दर्शकों को बेहद पसंद आई. इस फिल्म के बाद करीना कपूर और अभिषेक बच्चन की जोड़ी फिल्म 'युवा', 'एलओसी: कारगिल' और 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' में साथ नजर आई. अभिषेक बच्चन की सगाई करीना की बड़ी करिश्मा से हुई थी. लेकिन बाद में उनकी सगाई टूट गई थी. जिसके बाद साल 2007 में अभिषेक बच्चन ने ऐश्वर्या राय से शादी कर ली थी.

'पुष्पा 2' ने एडवांस बुकिंग में बटोर डाले 100 करोड़

अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा: द रूल' कल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। बड़े पर्दे पर आने से पहले यह फिल्म एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ चुकी है। पहले दिन की प्री-बुकिंग से ही फिल्म ने 100 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। इस बड़ी उपलब्धि का एलान सोशल मीडिया के माध्यम से किया गया, जहां निर्माताओं ने खुशी जाहिर करते हुए पोस्ट साझा किया। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, पुष्पा 2 द रूल ने 100 करोड़ का आंकड़ा एडवांस बुकिंग में पार किया। भारत की सबसे बड़ी फिल्म रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है।'पुष्पा: द रूल' की रिलीज के लिए अब महज एक दिन बाकी है और फिल्म के ग्लोबल रिलीज को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह देखा जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी,

कॉमेडियन सुनील पाल हुए गुमशुदा

कॉमेडी जगत के फेमस कॉमेडियन सुनील पाल और कपिल शर्मा के जिगरी दोस्त दो दिन से गायब हैं. उनकी पत्नी ने इसकी जानकारी पुलिस स्टेशन में दी है. वह अक्सर अपने शोज के लिए मुंबई से बाहर जाते रहते हैं, लेकिन इस बार वह वापस ही नहीं आए हैं. मंगलवार दो उन्हें वापस लौटना था, लेकिन वो वापस नहीं आए हैं. उनका फोन भी बंद आ रहा है.उनकी पत्नी ने पुलिस से उनकी शिकायत दर्ज करवाई है. जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश शुरु कर दी है. सुनील पाल के अचानक गायब होने से ना सिर्फ उनका परिवार बल्कि फैंस भी बेहद परेशान हो गए हैं. उनके गायब होते ही हर तरफ उनकी चर्चा हो रही है. हर कोई सुनील को लेकर परेशान नजर आ रहा है.

वह लोगों को हंसाने के साथ-साथ हर एक मुद्दे पर भी खुलकर बात करते हैं. ऐसे में उनका यूं गायब होना तमाम तरह के सवाल उठा रहा है. वह मुंबई से बाहर किसी शो को करने के लिए गए थे. इस हिसाब से उन्हें मंगलवार वापस लौटना था, लेकिन वो वापस नहीं आए. सुनील ना तो अपने घर आए हैं और ना ही उनका फोन लग रहा है और ना ही उन्होंने किसी भी तरह से कोई जानकारी अपने परिवार को दी है.सुनील की वाइफ ने उन्हें कई बार फोन किया और उनसे बात करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन बंद आ रहा है. इसके बाद अब सुनील की वाइफ पुलिस के पास गई हैं और उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है. रिपोर्ट्स की मानें तो कहा जा रहा है कि सुनील के परिवार को अलग-अलग नंबर से फोन आ रहे हैं और फिरौती की मांग की जा रही है.

करोड़पति मॉडल के प्यार में पड़ीं सारा

सारा अली खान अपनी फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ की वजह से लाइमलाइट में बनी रहती हैं. एक्ट्रेस का नाम कई एक्टर्स के साथ जुड़ा. बीते दिनों सारा का नाम क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ लिया जा रहा था. दावा था कि वह दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन ये भी महज अफवाह निकली.

अब सारा अली खान का नाम करोड़पति मॉडल के साथ जुड़ गया है. कहा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. इसी बीच सारा की कुछ फोटोज सामने आई हैं, जिसने उनकी डेटिंग की अफवाहों को और तेज कर दिया है. दरअसल, सारा अली खान का नाम मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ जोड़ा जा रहा है. बीते कुछ दिनों से दावा किया जा रहा है कि सारा और अर्जुन एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. इसी बीच सारा राजस्थान वेकेशन पर गईं, जहां से अब एक्ट्रेस ने कुछ फोटोज शेयर की हैं. इन फोटोज में सनसेट को एन्जॉय कर रही हैं. सारा हर फोटो में अलग अलग पोज दे रही हैं. दूसरी तरफ अर्जुन प्रताप ने भी अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह जिम में पसीना बहाते नजर आ रहे हैं. अर्जुन एक होटल में बना हुआ जिम इस्तेमाल कर रहे हैं. सारा और अर्जुन ने एक-दूसरे के साथ एक भी फोटो शेयर नहीं की है, लेकिन फैंस का मानना है कि दोनों एक साथ ही राजस्थान वेकेशन पर गए हैं और वहां पर क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं. सारा और अर्जुन की ये फोटोज कोलाज के साथ सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो रही है.

यामी गौतम की आर्टिकल 370 की हुई स्क्रीनिंग

यामी गौतम के लिए ये साल 2024 बहुत खास रहा। इस साल उन्होंने अपनी बेहतरीन एक्टिंग से सभी का दिल जीत लिया। यामि ने एक बार फिर अपने एक्टिंग स्किल्स को साबित कर दिया है। साथ में उनका परफॉर्मेंस ये बताता है कि वो इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक हैं। इस साल की फिल्म आर्टिकल 370 में उनके दमदार परफॉर्मेंस ने उसे 'फिल्म ऑफ द ईयर' का खिताब दिलवाया है। उनकी यह फिल्म एक बड़ी हिट साबित हुई है। यामी ने इस फिल्म में अपनी भूमिका के जरिए कहानी को पूरी तरह से अपने कंधों पर उठाया है । इस फिल्म के जरीए उन्होंने अपने करियर में एक नई ऊंचाई हासिल की है। हाल ही में IFFI गोवा 2024 में उनकी फिल्म आर्टिकल 370 की स्क्रीनिंग की गई। इस फंक्शन में यामी ने भारतीय सिनेमा के बदलते ट्रेंड्स पर बातचीत की उन्होंने कहा कि "हमारी फिल्म की यात्रा से लेकर उसकी सफलता तक, यह दिखाता है कि हमारा दर्शक वर्ग कितना समझदार है। हर तरह की फिल्म के लिए एक दर्शक है, और एक अच्छी कहानी और स्क्रिप्ट कभी असफल नहीं होती। यामी के शब्द उनके करियर की दिशा को सही तरीके से दर्शाते हैं, जो पारंपरिक फॉर्मूले के बजाय कंटेंट पर ज्यादा ध्यान देती हैं। 'आर्टिकल 370' की सफलता इस बात का उदाहरण है.

अनन्या का डीएनए टेस्ट करवाना चाहते हैं चंकी

बॉलीवुड अदाकारा अनन्या पांडे आजकल अपने फैंस के बीच खुलकर बात करने लगी हैं. हाल ही में अनन्या पांडे ने बॉडी शेमिंग से लेकर अपनी फैमिली तक के बारे में कई खुलासे किए हैं. यहां तक कि अनन्या पांडे नेपोटिज्म और ट्रोलिंग के बारे में भी खुलकर अपने विचार रख चुकी हैं. इसी बीच अनन्या पांडे को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. रिपोर्ट्स की मानें तो अनन्या पांडे के पिता चंकी पांडे उनका डीएनए टेस्ट करवाना चाहते हैं. जी हां, सही सुना आपने... चंकी पांडे को शक है कि अनन्या पांडे उनकी ही बेटी है या फिर नहीं... इस बात का खुलासा खुद चंकी पांडे ने ही किया है.

बातचीत इस दौरान चंकी पांडे से पूछा गया कि उनमें और अनन्या पांडे में से अच्छा एक्टर कौन है. इस सवाल का जवाब देते हुए भावना पांडे ने कहा, चंकी घर पर बेहतर एक्टिंग करते हैं लेकिन फिल्मों में नहीं... वहीं अनन्या पांडे ने भी कहा कि उनकी चंकी पांडे से एक्टिंग के चलते कई बार लड़ाई हो जाती है. अनन्या पांडे अपने पिता को सेट पर एक्टिंग करने की सलाह देती हैं. जिसके जवाब में चंकी पांडे ने माना कि अनन्या पांडे एक बेहतर एक्टर है. वो अपने पिता से भी अच्छे तरह से काम करती है. कभी कभी तो चंकी पांडे को शक होने लग जाता है कि अनन्या उनकी बेटी है भी या नहीं. उनको लगने लगा कि अब अनन्या पांडे का एक बार डीएनए टेस्ट करवा ही लेना चाहिए. ये बात सुनकर चंकी पांडे और अनन्या पांडे के फैंस को सदमा जरूर लग जाएगा. स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के समय पर लगों ने अनन्या पांडे को ट्रोल तो खूब किया था. हालांकि समय के साथ अनन्य पांडे ने साबित किया है कि वो एक स्टार बनने के लायक हैं. लोग अब अनन्या पांडे के काम की तारीफ करने लगे हैं.

फड़णवीस नए युग के एक कद्दावर नेता

नागपुर।

देवेन्द्र गंगाधरराव फड़नवीस राज्य के भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता हैं। आरएसएस स्वयंसेवक के रूप में काम करने के बाद 22 साल की उम्र में पहली बार नगरसेवक, 1997 में महाराष्ट्र के सबसे कम उम्र के महापौर, 1999 में पहली बार विधायक, 2014 में पहली बार मुख्यमंत्री, 2019 से 2022 तक विधान सभा में विपक्ष के नेता, जून 2022 से नवम्बर 2024 तक उपमुख्यमंत्री यह देवेंद्र फडनवीस का राजनीतक सफर। और अब 2024 में वे पुनः प्रदेश के मुख्यमंत्री बन रहे हैं, इसके लिए उन्हें हार्दिक बधाई...! 2024 के लोकसभा चुनाव में राज्य में महायुति को भारी झटका लगा. क्योंकि महाविकास अघाड़ी ने प्रचार किया था कि अगर बीजेपी को 400 सीटें मिलेंगी तो वह संविधान बदल देगी, इससे मुस्लिम और दलित खतरे में हैं। इस प्रचार से महायुति को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। महाराष्ट्र से महायुती के सिर्फ 17 सांसद चुने गए। बीजेपी के 22 सांसदों की संख्या सीधे तौर पर 9 पर आ गयी. देवेन्द्र फड़णवीस ने इस हार की जिम्मेदारी ली और उपमुख्यमंत्री पद छोड़ने की तैयारी भी दिखाई। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने उन पर विश्वास किया। इसके बाद फड़णवीस ने जोर-शोर से काम करना शुरू कर दिया। विधानसभा चुनाव में लोकसभा परिणाम की पुनरावृत्ति से बचने के लिए फड़नवीस ने कुशलता से रणनीति बनाई और मैदान में उतर गए। महायुति ने सरकार के कामों का प्रचार किया और लोगों से काम के आधार पर वोट देने को कहा। उनकी रणनीति सफल साबित हुई है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि महायुति की विजय फड़नवीस नामक योद्धा की विजय है; जिसका नतीजा महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में देखने को मिला। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद फड़णवीस की यह बात जरूर सच साबित हुई कि मैं समंदर हूं लौटकर आऊंगा। 132 सीटों पर बीजेपी के विधायक जीते. महायुति ने 239 सीटें जीतीं. महाविकास अघाड़ी का सूपड़ा साफ हो गया। इस चुनाव के लिए पांच महीने तक प्रचार चला, जिसमें लगातार देवेन्द्र फड़णवीस पर निशाना साधा गया. मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण की भी मांग की थी। उन्होंने लगातार बताया कि किस तरह से आरक्षण न देने के लिए फड़णवीस जिम्मेदार थे, यहां तक कि उन्हें गालियां भी दीं. बाद में माफ़ी मांगी। लेकिन सबके निशाने पर थे देवेन्द्र फड़णवीस। या तो तुम रहोगे या मैं रहूँगा, उद्धव ठाकरे का यह वाक्य देवेन्द्र फड़णवीस को संबोधित था। संजय राऊत देवेन्द्र फडनवीस को खलनायक, महाराष्ट्र का अनाजिपंत, महाराष्ट्र में गंदी राजनीति लाने वाला नेता, महाराष्ट्र को कलंकित करने वाला बताते रहे। शरद पवार ने फड़णवीस को चुनाव में उखाड़ फेंकने की अपील की। नाना पटोले भी फड़णवीस के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे. सबके निशाने पर रहने के बावजूद फड़णवीस ने उन्हें जवाब देने के बजाय विकास कार्य और जनता से संवाद जारी रखा। प्रचार भाषणों के दौरान 95 फीसदी विकास और 5 फीसदी आरोपों का जवाब का फॉर्मूला रखा गया। इसका नतीजा सामने आ गया है। देवेन्द्र फड़नवीस नाम का यह आधुनिक नेता चक्रव्यूह से बाहर आ गया है। इसलिए अब जब वह दोबारा मुख्यमंत्री बनकर आ रहे हैं तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई लोगों को चुप करा दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास यह दर्शाता है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में महायुति की महान जीत केवल भाजपा-महायुति की नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के प्रत्येक नागरिक के विश्वास की है। फड़णवीस ने नम्रतापूर्वक एक भावनात्मक बयान देते हुए कहा कि मैं महाराष्ट्र के नागरिकों द्वारा दिखाए गए विश्वास और प्यार के लिए उनके सामने नतमस्तक हूं। विधानसभा चुनाव का नतीजा कई मायनों में अलग और यादगार है। साढ़े पांच महीने पहले लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ऐसी हवा बनाई गई की, राज्य का सियासी माहौल पूरी तरह से महाविकास अघाड़ी के पक्ष में हो गया है और इस नतीजे के आधार पर महायुति का सूपड़ा साफ हो जाएगा। खास बात यह भी है कि लोकसभा चुनाव में मतदाताओं ने महायुति को साफ तौर पर खारिज नहीं किया था। लोकसभा चुनाव के नतीजों में कई पहलू थे। महाविकास अघाड़ी, विशेषकर वरिष्ठ नेता शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने लोकसभा के उस परिणाम को सुविधाजनक बताया और एक ऐसी तस्वीर बनाई कि वोटरों ने महायुती को नकार दिया है। उस नतीजे के बाद शरद पवार और उद्धव ठाकरे समेत महाविकास अघाड़ी के सभी नेता ऐसा दिखावा कर रहे थे कि वे महाराष्ट्र की सत्ता में आ गए। इन सभी को मतदाताओ ने आईना दिखाया।

एक असली कप्तान, एक नायक की परीक्षा कठिन परिस्थितियों में होती है। इस विपरीत माहौल को अवसर के रूप में इस्तेमाल करके देवेंद्र फड़नवीस ने प्रतिद्वंद्वी महाविकास अघाड़ी को हरा दिया। उद्धव ठाकरे और शरद पवार सपना देख रहे थे कि इस चुनाव में फड़णवीस और भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा. इन सभी पर देवेन्द्र फड़णवीस भारी पड गये। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद, फड़नवीस ने उद्धव ठाकरे के विश्वासघात की आलोचना शुरू कर दी थी। भले ही उस समय भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना को स्पष्ट बहुमत मिल गया था, लेकिन उद्धव ठाकरे के विश्वासघात के कारण ही फड़णवीस दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बन सके। लोकसभा चुनाव में झटके के बाद फड़णवीस के सामने संगठन का मनोबल बनाए रखने और कार्यकर्ताओं को फिर से विधानसभा चुनाव के लिए तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। उन्होंने लोकसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर बताया था कि महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच वोटों का अंतर सिर्फ 0.75 फीसदी था। उन्होंने बताया था कि महाविकास अघाड़ी को महायुति से सिर्फ दो लाख वोट ज्यादा मिले हैं. देवेन्द्र फड़णवीस ने महाविकास अघाड़ी नेताओं के अधिक वोटो के दावों को खारिज कर दिया। लोकसभा चुनाव में संविधान परिवर्तन के झूठे प्रचार के कारण महा विकास अघाड़ी को अधिक सीटें मिलीं, मुस्लिम समुदाय में भी भय और सीएए का डर पैदा किया गया।

विधानसभा चुनावों में लोकसभा की पुनरावृत्ति से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए, इसकी रणनीति बनाकर देवेंद्र फड़नवीस कुशलतापूर्वक चुनाव के मैदान में उतरे थे। फड़णवीस ने महाविकास अघाड़ी को अपनी तैयार की हुई पिच पर खिलाया. उन्हें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले की अच्छी साथ मिली। लोकसभा चुनाव के वोट जिहाद के मुद्दे को दोहराने के लिए उलेमा बोर्ड के प्रवक्ता सज्जाद नोमानी मैदान में उतरे थे। उलेमा बोर्ड की ओर से महाविकास अघाड़ी को कई मांगों का निवेदन दिया गया था. नोमानी महाशय ने मांग की थी कि वणी देवस्थान समेत महाराष्ट्र के कई सार्वजनिक स्थानों को वक्फ बोर्ड के नाम पर किया जाए, मुसलमानों को ओबीसी कोटे से आरक्षण दिया जाए, दंगों के मुस्लिम आरोपियों के मामले रद्द किए जाएं. महाराष्ट्र और पूरे देश को इस फतवा राजनीति संकट के गंभीर परिणामों से अवगत कराने में देवेंद्र फड़नवीस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकसभा चुनाव में संगठन स्तर पर रही खामियों को दूर कर फड़णवीस ने महायुती सरकार के काम का प्रचार किया और जनता से काम के आधार पर वोट मांगा। समग्र विकास, विकास की दृष्टि और सकारात्मक भविष्य की ओर बढ़ने की उनकी रणनीति पूरी तरह सफल साबित हुई। लाड़की बहिन योजना, लड़कियों के लिए मुफ्त उच्च शिक्षा, लखपति दीदी, एक रुपये में फसल बीमा, किसान सम्मान निधि, किसानों को ऋण माफी, बिजली बिल माफी, कृषि माल के लिए भावांतर योजना जैसी अनेक योजनाओं को प्रचार-प्रसार के माध्यम से नागरिकों तक सफलतापूर्वक पहुंचाया। चाहे वह समृद्धि महामार्ग हो, जलयुक्त शिवार हो, मुंबई में कोस्टल रोड हो, अटल सेतु हो, उन्होंने हर स्तर पर पर्याप्त काम किया है। वे फॉरेन डायरेक्ट इन्व्हेस्टमेंट, बड़े नए उद्योग लाकर बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करेंगे। किसानों के लिए बिजली की दृष्टि से सोलर फीडर योजना, वैनगंगा-नलगंगा नदी जोड़ो परियोजना से सिंचाई की समस्या का समाधान करेंगे। सभी को विश्वास है कि वे महाराष्ट्र को देश का पहिले नंबर का राज्य बनायेंगे. महायुति की विजय फड़णवीस नामक सेनापति की विजय है। अपनी आलोचना का जवाब अपने कार्यों से देते हुए, फड़नवीस ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कई चुनौतियों से विजयश्री हासिल की। यह बात सभी को माननी होगी कि महाराष्ट्र के 2024 के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़णवीस नये युग के कद्दावर नेता हैं। देवेन्द्र फडणवीस और उनके सभी सहयोगियों को शुभकामनाएँ. विश्वास है कि उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र सफलता की नई ऊँचाइयों को छुएगा।

देवेंद्र फडणवीस को गले मिलकर शुभकामनाएं देते सावनेर-कलमेश्वर विधानसभा के विधायक डॉ.आशिष देशमुख.

पार्षद से लेकर सीएम तक का सफर...

बता दें कि देवेंद्र फडणवीस के पिता गंगाधर फडणवीस बीजेपी के प्रमुख नेता थे। वे कई वर्षों तक विधान परिषद के सदस्य रहे, उनके निधन के बाद खाली हुई सीट पर नितिन गडकरी निर्वाचित हुए। देवेंद्र फडवीस 30 साल से अधिक समय से राजनीति में सक्रिय है। छात्र जीवन में देवेंद्र फडणवीस एबीवीपी से जुड़े हुए थे। 1992 में फडणवीस पहली बार 22 साल की उम्र में नागपुर निगम निगम में पार्षद बने। यहीं से उन्होंने अपना राजनीतिक सफर की शुरुआत की। इसके बाद जल्द ही 1997 में वह नागपुर के महापौर भी रहे। देवेंद्र फडणवीस ने नितिन गडकरी की उंगली पकड़कर राजनीति में चलना शुरू किया लेकिन बाद में बीजेपी में बदलते समीकरणों को देखते हुए अपना पासा बदल लिया और गोपानीथ मुंडे के साथ चले गए। इसी ग्रुप में रहकर 2013 में फडणवीस महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष बने। फडणवीस 1999 से लगातार पांच बार महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य चुने गए। इसके बाद में 2014 में मुख्यमंत्री भी बने। 2019 से 2022 तक वे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे और फिर इसके बाद महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने के बाद वे डिप्टी सीएम बने। अब फडणवीस महाराष्ट्र के नए सीएम बनेंगे। 2019 में दिया था ये बयान: बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस का साल 2019 में दिया एक बयान सोशल मीडिया पर छाया रहता है। इस बयान में उन्होंने कहा था कि 'मैं समंदर हूं लौट कर आऊंगा।' बता दें कि फडणवीस का पीएम मोदी से अच्छे रिश्ते है इसके अलावा आरएसएस से भी उनके अच्छे संबंध है।

पिता गिरफ्तार हुए तो इंदिरा नाम वाला स्कूल छोड़ दिया

2006 की बात है नागपुर शहर के चौराहों पर एक कपड़े की दुकान के प्रचार में बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगे थे, जिनमें एक मॉडल की तस्वीर. थी। मॉडल की खास बात यह थी कि वे पिछले 7 साल से विधायक थे। वा मॉडल विधायक कोई और नहीं देवेंद्र फडणवीस थे। कि एप ना रहे से कहा जाता है कि देवेंद्र राज छिपाने में माहिर हैं। उन्हें पता है किसी राज को कब तक छिपाए रखना है। 2022 का घटनाक्रम इसका बेहतरीन उदाहरण है। योग दिवस के एक कार्यक्रम के लिए गृहमंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र विधानसभा के नेता विपक्ष देवेंद्र फडणवीस को नासिक शहर में मौजूद रहना था। देवेंद्र के घर पर 20-21 जून की रात देर तक राज्यसभा और 'एमएलसी चुनाव में भाजपा की जीत का जश्न चला, जिसमें भाजपा के तमाम बड़े नेता मौजूद थे। 21 जून को सुबह जब एकनाथ शिंदे के बगावत को खबर आई और पता चला कि शिदि बागी विधायकों के साथ सूरत पहुंच गए हैं, तो देवेंद्र फडणवीस के घर मौजूद रहे नेताओं में से एक ने उन्हें फोन कर इसकी जानकारी दी और कहा आप नासिक से तुरंत निकलिए। दूसरी तरफ से फोन पर जवाब आया 'मैं दिल्ली में हूं और मुझे सब पता है।' देवेंद्र की मां सरिता फडणवीस के अनुसार वे बचपन से जिद्दी हैं। आपातकाल के दौरान जब पिता गंगाधर राव को गिरफ्तार कर लिया गया तो उन्होंने इंदिरा कॉन्वेंट स्कूल से नाम कटवा लिया था क्योंकि स्कूल का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर था। देवेंद्र फडणवीस जब मात्र 17 साल के थे तभी उनके पिता का निधन हार्ट अटैक से हो गया था। वे 27 साल की उम्र में देश के सबसे युवा मेयर बन गए थे। विरासत में राजनीति देवेंद्र फडणवीस का जन्म नागपुर में मराठी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता गंगाधर राव आरएसएस प्रचारक और जनसंघ के नेता थे। वे महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य भी रहे। देवेंद्र ने लॉ में डिग्री प्राप्त की, लेकिन वकालत करने की बजाय एमबीए किया। बाद में जर्मनी के डाहलेम सेंटर एजुकेशन से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट की पढ़ाई की।

कभी बीजेपी के 'मॉडल विधायक' थे देवेंद्र फडणवीस

अटल बिहारी वाजपेयी ने बुलाया था दिल्ली

तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम बनने जा रहे देवेंद्र फडणवीस स्टाइलिश नेताओं में शुमार हैं। उन्होंने 2006 में एक बार नागपुर के एक कपड़े की दुकान अंबिका मेन्स के लिए मॉडलिंग भी की। शहर में उनकी तस्वीरों के साथ होर्डिंग्स भी लगे। उनकी मॉडलिंग की चर्चा मुंबई से दिल्ली तक हुई, क्योंकि वह दूसरी बार विधायक चुने गए थे। जब यह खबर अटल बिहारी वाजपेयी को मिली तो उन्होंने फडणवीस के दिल्ली बुलाया।

एक बातचीत में फडणवीस के मित्र शैलेष जोगलेकर ने बताया कि दिल्ली में अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें आइए मॉडल जी कहकर बुलाया। हालांकि वह फडणवीस से नाराज नहीं बल्कि खुश थे। रिपोर्टस के मुताबिक, मॉडलिंग की तस्वीरें उनके मित्र फोटोग्राफर विवेक रानाडे ने खींची थीं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के युवा कार्यकर्ताओं के साथ पुराने कार्यकर्ताओं के भी पसंदीदा हैं। धीर-गंभीर रहने वाले फडणवीस की सबसे मजबूती है कि संघ, सरकार और संगठन तीनों में काम कर चुके हैं। वह युवाओं में कितने लोकप्रिय हैं कि इस अंदाजा इस बात लगाया जा सकता है कि 2024 के चुनावों में देवा भाऊ सांग खूब वायरल हुआ था। युवा कार्यकर्ताओं ने देवा भाऊ यानी देवेंद्र फडणवीस को सीएम बनाने के लिए खूब मेहनत की थी।

नागपुर है कर्मभूमि

तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम की शपथ लेने जा रहे देवेंद्र फडणवीस की कर्मभूमि नागपुर है। उन्हें संघ का अटूट समर्थन है। वे 2014 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय के सरकारी लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री और बिजनेस मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर की डिग्री के साथ-साथ डीएसई-जर्मन फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट, बर्लिन, जर्मनी से प्रोजेक्ट मैनेजमेंट के तरीकों और तकनीकों में डिप्लोमा किया है।